हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 267, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 मार्च, 2022 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

प्रयागराज में जीत के जलसे में बीजेपी कार्यकर्ता की मौत, एसएचओ समेत 4 पुलिसकर्मी निलंबित

दारोगा समेत 10 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में विस चुनाव में शानदार सफलता पाने वाली भगवा पार्टी सूबे में जश्न मनाने में मशगूल है। प्रयागराज में ऐसे एक जलसे में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) कार्यकर्ता सतीश चौहान की संदिग्ध मौत के मामले में चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि बहरिया के नेवादा गांव में बीजेपी की जीत के जश्न के दौरान पथराव में घायल सतीश चौहान की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा था।

इस पर एसएसपी अजय कुमार ने बहरिया थाना प्रभारी, एक एसआई व दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही मामले में दारोगा समेत 10 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि मुबारकपुर गांव में शनिवार शाम को भाजपा कार्यकर्ता जीत के जश्न में डीजे पर डांस कर रहे थे। इस दौरान इस दौरान एक पक्ष ने पथराव कर दिया, जिसमें 18 वर्षीय सतीश चौहान घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मामले में थाना प्रभारी बहरिया रवि प्रकाश,

एसआई संजय यादव, कांस्टेबल विकास उपाध्याय और कांस्टेबल दीनदयाल दुबे को सस्पेंड कर दिया गया है और जांच शुरू हो गई है। प्रयागराज जिले के बहरिया के नेवादा गांव में बीजेपी की जीत पर जश्न का आयोजन किया जा रहा था। इस दौरान निकाले गए जुलूस में पर पथराव और लाठी डंडे से पिटाई की गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। आरोप है कि पिटाई के दौरान ही गणेश चौहान की मौत हो गई थी। हालांकि पिता ने अपने बेटे के एक्सीडेंट की तहरीर दी थी। इसके बाद मृतक के साथियों ने अलग तहरीर दी और घटना के विरोध में बहरिया थाने पर प्रदर्शन करते हुए थाना बहरिया के थानाध्यक्ष रवि प्रकाश और दारोगा संजय यादव पर भाजपा कार्यकर्ता सुनील कुमार पासी और प्रवीण कुमार पाल को पीटने का आरोप लगाया। साथ ही एक पक्षीय कार्रवाई करने का आरोप भी लगाया। इस मामले में एसएसपी अजय कुमार ने कहा, 'क्षेत्र में एक भाजपा कार्यकर्ता की संदिग्ध मौत और कार्यकर्ता के परिजनों को प्रताड़ित करने की सूचना उच्चाधिकारियों को समय पर नहीं देने पर एसएचओ बहरिया रवि प्रकाश, एसआई संजय यादव, कांस्टेबल विकास उपाध्याय और दीनदयाल दुबे को निलंबित कर दिया गया है।

बीजेपी की जीत वाले चारों राज्यों में नई सरकार का गठन होली के बाद

नई दिल्ली। बीजेपी की जीत वाले चारों राज्यों में नई सरकारों का गठन होली के बाद ही संभव है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में होली के बाद मुख्यमंत्री चुने जाएंगे। चारों राज्यों में शपथ ग्रहण समारोह इस तरह आयोजित होगा कि वरिष्ठ नेताओं को सभी जगह जाने में आसानी हो। सरकारों के शपथ ग्रहण के लिए तालमेल किया जा रहा है उत्तराखंड में होली के अगले दिन विधायक दल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पर्यवेक्षक धर्मेंद्र प्रधान और पीयूष गोयल रहेंगे मौजूद रहेंगे। उत्तराखंड में 20 मार्च को शपथ ग्रहण संभव है। मणिपुर में नवनिर्वाचित विधायक आज शपथ ले रहे हैं। गोवा में नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को शपथ लेंगे। दोनों जगहों पर विधानसभाओं को भंग किया जा चुका है प्रोटेम स्पीकर शपथ दिलाएंगे।

सड़क दुर्घटना में चार श्रद्धालुओं की मौत, 16 घायल

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 16 अन्य घायल भी हुए है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हादसा रविवार देर रात 11 बजे कोंडी गांव के पास हुआ। सोलापुर ग्रामीण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, वारकरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर ह्यएकादशीह्न मनाने के लिए पंढरपुर जा रहे थे। भगवान विट्ठल के भक्तों को वारकरी कहते हैं। उन्होंने बताया कि तभी रास्ते में एक ट्रक का टायर फटने से चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वह ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। उन्होंने बताया कि इस घटना में पड़ोसी उस्मानाबाद जिले के तुलजापुर के रहने वाले बीस वारकरी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से चार को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि अन्य 16 लोगों का इलाज चल रहा है।

4 राज्यों में बंपर जीत के साथ सत्ता में वापसी के बाद भी असमंजस में क्यों है भाजपा ?

नई दिल्ली। देश में हालही में पांच राज्यों के संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में चार राज्यों में बंपर जीत दर्ज करने वाली भाजपा के अंदर उत्तराखंड और मणिपुर को लेकर थोड़ी असमंजस है। क्योंकि उत्तराखंड में पार्टी की जीत के बाद भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी सीट हार गए। वही मणिपुर में भी मौजूदा मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को अगला कार्यकाल दिया जाएगा या नहीं इस पर भी अटकलें जारी हैं। उत्तर प्रदेश में जीत के बाद शुक्रवार को योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में पार्टी दफ्तर में कैबिनेट की अंतिम बैठक की। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। सूत्रों की मानें तो यूपी की नई कैबिनेट होली के बाद शपथ लेगी। अटकलें भी लगाई जा रही है कि अधिकांश मौजूदा मंत्रियों को नई सरकार में जगह नहीं मिलेगी।

गोवा में एमजीपी देगी समर्थन- गोवा में तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा समर्थन का भरोसा मिलने के बाद भाजपा को यकीन है कि वह बहुमत के आंकड़े तक पहुंच जाएगी। हालांकि पार्टी को महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी(एमजीपी) का समर्थन मिलने का पूरा भरोसा है। एमजीपी के 2 विधायकों के सहारे 40 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी के पास 25 विधायक हो गए हैं।

उत्तराखंड में कौन होगा अगला मुख्यमंत्री- उत्तराखंड में भाजपा की दुविधा यह भी है कि क्या पुष्कर सिंह धामी को उनकी हार के बावजूद दोबारा सीएम बनाया जाए या फिर किसी अन्य विधायक या सांसद को मुख्यमंत्री बनाया जाए। राज्य की 70 में से 47 सीटें जीतने के बाद, केंद्रीय नेतृत्व ने पीयूष गोयल और धर्मेंद्र प्रधान को बीजेपी विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षक बनाया है। हालांकि यह बैठक कब होगी इसकी तारीख सामने नहीं आई है। एक अखबार सूत्रों के हवाले से लिखता है कि समस्या यह है कि पुष्कर सिंह धामी ने बीते साल तीसरा मुख्यमंत्री बनने के बाद हारती हुई बीजेपी को जिताने के लिए बहुत कुछ किया है। लेकिन वो खुद चुनाव हार गए। हिमाचल प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल जी चुनाव हारे थे। उस वक्त जयराम ठाकुर के तौर पर नया सीएम नियुक्त किया गया था। इसलिए यह तय नहीं है कि पुष्कर सिंह धामी को सीएम नियुक्त करके 6 महीने के अंदर किसी जीते हुए विधायक की सीट खाली करवा के उन्हें चुनाव लड़ाया जाए।

मणिपुर में भी सीएम को लेकर असमंजस में भाजपा- मणिपुर में मौजूदा सीएम बीरेन सिंह को अगला कार्यकाल मिलेगा या नहीं इसको लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। पीएम मोदी ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगातार परिवारवाद वाली सियासत पर निशाना साधा। अखबार के मुताबिक एक बीजेपी नेता ने राजकुमार इमो की ओर इशारा करते हुए कहा हमारे जीतने वाले विधायकों में से एक दो मुख्यमंत्री के दामाद हैं। इमो तीसरी बार लगातार सगोलबंद से चुनाव जीते हैं।

हार के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य का आरोप- ईवीएम से हुई धांधली, बैलेट पेपर वोटिंग में सपा जीती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य के सुर विधानसभा चुनाव में हार के बाद बदल गए हैं। भाजपा छोड? के बाद समाजवादी पार्टी में शामिल होने

वाले स्वामी प्रसाद मौर्य कुशीनगर के फाजिल नगर से विधानसभा का चुनाव लड़े। परिणाम आने के दिन तो हार स्वीकार कर ली, लेकिन अब वह ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। उधर समाजवादी पार्टी उनको फिर से विधानसभा चुनाव लड़ाने की तैयारी में है। इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय हो चुके स्वामी प्रसाद मौर्य ने सोमवार को सोशल मीडिया एप कू पर लिखा कि ईवीएम पर सवाल उठाने के साथ मतगणना में धांधली का आरोप लगाया है। बहुजन समाज पार्टी के बाद भाजपा में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस बार पाला बदला तो उनको हार झेलनी पड़ी। उत्तर प्रदेश के दिग्गज नेताओं में शुमार स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ा है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बैलेट पेपर की गिनती में समाजवादी पार्टी तो भाजपा से आगे ही रही। इसके बाद भाजपा जीत गई। उन्होंने कहा कि यह देखकर लगता है कि ईवीएम को लेकर कोई न कोई बड़ा खेल हुआ है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बैलेट पेपर की वोटिंग में समाजवादी पार्टी 304 सीटों पर जीती है, जबकि भाजपा मात्र 99 सीट पर ही जीत सकी। इसके बाद ईवीएम की गिनती में भाजपा चुनाव जीती। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर में हार के बाद ईवीएम से मतगणना में भाजपा का जीतने का मतलब सामने आने लगा है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कोई न कोई बड़ा खेल हुआ है। हार के बाद उन्हें मतगणना में धांधली नजर आई। इसी कारण वह अब वो अब इस मसले को उठा रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्या ने विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद भाजपा की सदस्यता छोड़कर सपा में एंट्री की थी। इसका बाद स्वामी प्रसाद मौर्य को कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से मैदान में उतारा गया था लेकिन वह चुनाव हार गए।

स्वामी प्रसाद मौर्य को विधानसभा भेजने की तैयारी

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भले ही बहुमत की रेस से बाहर हो गई है लेकिन वोट प्रतिशत में मिली शानदार बढ़त से उत्साहित है। समाजवादी पार्टी का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले उसके साथ आए स्वामी प्रसाद मौर्य समेत अन्य नेताओं के कारण यह बढ़त मिली है। स्वामी प्रसाद के इस एहसान को देखते हुए ही समाजवादी पार्टी ने उनका पूरा सम्मान बरकरार रखने की तैयारी कर ली है। स्वामी प्रसाद मौर्य को विधानसभा भेजने के लिए सपा ने प्लान तैयार कर लिया है। समाजवादी पार्टी के सूत्रों की मानें तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा देकर आजमगढ़ की सांसदी अपने पास रखेंगे। अखिलेश के इस्तीफे के बाद करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव में स्वामी प्रसाद मौर्य को उतारा जाएगा। रविवार को अखिलेश और स्वामी प्रसाद मौर्य ने मुलाकात की और इस पर चर्चा भी हुई। अखिलेश यादव ने करहल सीट 67,000 से अधिक मतों से जीती है। मौर्य ने चुनाव से पहले कैबिनेट मंत्री और भाजपा की सदस्यता छोड़कर सपा में प्रवेश किया था। स्वामी प्रसाद को कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से मैदान में उतारा गया था लेकिन वह चुनाव हार गए थे। करहल में अखिलेश ने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को हराया। यह एकमात्र विधानसभा सीट थी। यह एकमात्र दो सीट थी जहां दो सांसद मैदान में थे। अखिलेश आजमगढ़ से सांसद हैं और बघेल संसद में आगरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। अखिलेश को 1.48 लाख वोट मिले जबकि बघेल को 80,000 वोट मिले। इससे पहले भी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा था कि अखिलेश यादव करहल छोड़ देंगे। उस समय अटकलें थीं कि पार्टी सोबरन सिंह यादव को मैदान में उतारेगी। सोबरन ने 2002, 2007, 2012 और 2017 में करहल सीट जीती थी। उन्होंने 2022 में अखिलेश के लिए रास्ता बनाया। स्वामी प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हैं।

ब्रज में होली का उल्लास : बांकेबिहारी मंदिर में बरसे आस्था के रंग, वृंदावन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वृंदावन (मथुरा)। रंगभरनी एकादशी पर वृंदावन में होली का उल्लास उमड़ पड़ा। देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु वृंदावन पहुंचे हैं। सोमवार तड़के से ही ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के बाहर भक्तों की भारी भीड़ जुट गई। पट खुलते ही पूरा मंदिर परिसर ठाकुरजी के जयकारों से गुंजायमान हो गया। बरसाना और नंदगांव की प्रसिद्ध लठामार होली के बाद रंगभरनी एकादशी पर जन जन के आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी महाराज ने भक्तों संग होली खेली। रंगीली होली पर ठाकुरजी ने जब भक्तों संग होली खेली तो लगा कि संपूर्ण ब्रह्मांड इस दिव्य दर्शन के लिए ठहर गया। प्रेमावेश से लवरेज जनसमुद्र मंदिर परिसर में हिलोरे मार रहा था। रंग और गुलाल के उड़ते गुबार, फूलों से हुई होली के रंग में मंदिर परिसर सराबोर हो गया। हजारों भक्त अपने आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी को नयनों में

भरने की अभिलाषा लिए मंदिर में पहुंचे और दर्शन पाकर कृतार्थ हुए। सोमवार की सुबह तय समय से लगभग आधे घंटे पूर्व पट खुलते ही बांकेबिहारी मंदिर के बाहर अपने आराध्य के दर्शन की प्रतीक्षा कर रहा जन समुद्र मंदिर परिसर में जयकारे लगाते हुए प्रवेश कर गया। रंगभरनी एकादशी पर मंदिर के सेवायतों ने सबसे पहले रजत सिंहासन पर श्वेत पोशाक धारण कर विराजमान ठाकुर बांकेबिहारीजी पर स्वर्ण पिचकारी से केसर निर्मित रंग डालकर वृंदावन में परंपरागत होली का शुभारंभ किया। बांकेबिहारी मंदिर परिसर में अबीर-गुलाल, रंगों की बौछार और फूलों की होली से सतरंगी छटा छा गई। सेवायत टेसू के फूलों, केसर के रंगों से निर्मित प्राकृतिक रंगों को पिचकारियों में भरकर श्रद्धालुओं पर वर्षा कर रहे थे। रंग और गुलाल में सराबोर हुए भक्तों को खुशी का ठिकाना ना रहा।

यूक्रेन में फंसे झारखंड के 184 लोग सुरक्षित वापस लौटे, तीन अभी भी लापता

रांची। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में फंसे झारखंड के छात्रों समेत कुल 184 लोगों में से 179 लोग सुरक्षित यहां वापस लौट आए हैं, जबकि एक-एक छात्र हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट और रूस में चले गए हैं और वहां सुरक्षित हैं। लेकिन तीन अन्य से राज्य सरकार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। अनुमान है कि वह भी सुरक्षित वापस आ चुके होंगे अन्यथा उनके परिजन यहां के अधिकारियों से अवश्य संपर्क करते। युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटने वाले राज्य के छात्रों एवं अन्य लोगों की सहायता के लिए स्थापित नियंत्रण कक्ष के प्रमुख जॉनसन टोपनो ने बताया कि राज्य के 184 लोगों के यूक्रेन में फंसे होने की प्रारंभिक सूचना एकत्रित की गयी थी और उनमें से 179 कल शाम तक यहां लौट आये। उन्होंने बताया कि तीन अन्य लोगों से संपर्क नहीं हो सका है और न ही उनके परिजनों ने अथवा उन्होंने राज्य सरकार से कोई संपर्क साधा है, जिससे यह अनुमान लगाया गया है कि वह भी सुरक्षित वापस आ चुके होंगे। यह भी संभव है कि वह भारत के किसी अन्य राज्य में रुक गये होंगे। उन्होंने बताया कि यदि ये तीनों किसी संकट में होते तो निश्चित ही उन्होंने राज्य सरकार से संपर्क किया होता।

झारखंड पहला राज्य था जिसने अपने नागरिकों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से वापस आने पर आने का किराया देने की घोषणा की थी। टोपनो ने बताया कि यूक्रेन से झारखंड में वापसी करने वाले 179 छात्रों एवं अन्य लोगों में से सर्वाधिक 32 रांची के, 26 पूर्वी सिंहभूम के, 18 धनबाद के और 15 गोड्डा के हैं। इनके अलावा पलामू के 14, हजारीबाग के 13, बोकारो के 10, गुमला एवं पश्चिमी सिंहभूम 5-5, रामगढ़ एवं गढ़वा के 4-4, लातेहार, पाकुड़, गिरिडीह एवं कोडरमा के 3-3 लोग यूक्रेन से वापस राज्य में आये हैं। शेष 21 लोग राज्य के अन्य जिलों में यूक्रेन से लौटे हैं।

रुस-यूक्रेन जंग का 18वां दिनः नौ लोगों की मौत, 57 घायल

कीव। रूस यूक्रेन युद्ध का 18वां दिन है। रूस-यूक्रेन की जंग थमने की बजाय बढ़ती जा रही है। युद्ध के 18वें दिन रूसी सेना लगातार हमले कर रही हैं, जिससे यूक्रेन के अधिकतर शहर जल रहे हैं। हालात यह है कि लगातार हो रही गोलाबारी से सरकारी इमारतें और घर तबाह हो गए हैं। मेयर रुस्लान मार्टसिंकिव के हवाले से बताया कि रूसी सेना ने 13 मार्च को इवानो-फ्रैंकिवस्क एयरबेस पर हमला किया। मार्टसिंकिव ने बताया कि एयरबेस को लगातार दूसरे दिन रूस ने निशाना बनाया है। उन्होंने एयरबेस के करीब रहने वालों से स्थानांतरित होने का आग्रह किया है। साथ ही रूसी सैनिकों ने कीव में ग्रीन कोरिडोर के जरिए रेस्क्यू कर रही महिलाओं और बच्चों पर गोली चला दी, जिसमें एक बच्चे सहित 7 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, युद्ध के 18वें दिन यूक्रेन पर रूस के हमले जारी हैं। ल्वीव और खेरसान में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई है।

स्थानीय अधिकारी के हवाले से बताया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के पश्चिमी शहर ल्वीव के बाहर एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर कई हवाई हमले किए। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 57 लोग घायल हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेलारूस के शहर मोजियर, होमेल और नारौलिया में मुर्दाघर रूसी सैनिकों के शवों से कथित तौर पर भरे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रूसी सैनिकों के शवों को ट्रकों से लाया जा रहा है। इसके बाद ट्रेन या हवाई जहाज से इन शवों को रूस भेजा जा रहा है।

वहीं ल्वीव क्षेत्रीय प्रशासन के हवाले से बताया कि रूसी सेना ने 13 मार्च को ल्वीव

ओब्लास्ट में इंटरनेशनल सेंटर फार पीसकीपिंग एंड सिक्योरिटी मिलिट्री ट्रेनिंग बेस पर करीब आठ मिसाइलें दागीं हैं। हालांकि, अभी हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूक्रेन के इवानो-फ्रैंकिव्स्क में धमाकों की आवाज सुनी गई है। साथ ही इन शहरों में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई है और स्थानीय निवासियों को निकटतम आश्रय में जाने के लिए कहा गया है।

वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान आया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष जारी हैं, और आगे भी बढ़ सकता है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के पास रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करने के लिए कोई नहीं है। बाइडेन की सभी कमजोरी, कायरता और अक्षमता के बावजूद, यूक्रेन में इस त्रासदी को समाप्त करने के लिए उसके पास अभी भी एक रास्ता है। बिना अमेरिकियों को एक भीषण और बहुत खूनी युद्ध में फंसाए। ट्रम्प ने सुझाव दिया कि वाशिंगटन को मास्को को उग्र परिणामों के साथ धमकी देनी चाहिए। इसी बीच यूक्रेन के लगभग हर क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई है। आशंका हैं, कि रूस किसी भी वक्त यूक्रेन के इन शहरों में हमले कर सकता है। इनमें खार्किव, क्रामटोर्स्क, स्लोवियनस्क, विन्नित्सिया, कीव, पोल्टावा, जाइटामिर, खमेलनित्स्की, किलिया, युजने, चेनोमोर्स्क, बिलाइवका और अवदिवका में सायरन सुनाई दिए गए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध की स्थिति पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेनेट के साथ चर्चा की। साथ ही उन्होंने मेलिटोपोल मेयर की रिहाई के लिए उनकी मदद भी मांगी।

सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनी रहेंगी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में फैसला

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक करीब चार घंटे तक चली। सूत्रों का कहना है कि इस मैराथन बैठक के बाद फैसला किया गया है कि सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनी रहेंगी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल हुई थीं। वहीं असंतुष्ट धड़े जी-23 के नेता गुलाम नबी आजाद आदि भी बैठक में पहुंचे थे। सोनिया गांधी के नेतृत्व में सीडब्ल्यूसी ने भरोसा जताया है। उनसे संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। नेतृत्व के प्रति भरोसा जताते हुए प्रस्ताव पारित किया गया है और संगठनात्मक बदलावों को आगे ले जाने का निर्णय लिया गया। सूत्रों की ओर से यह भी कहा गया है कि कांग्रेस दोबारा से चिंतन शिविर आयोजित करेगी। इसकी तारीखों को लेकर जल्द निर्णय किया जाएगा। कांग्रेस का आखिरी चिंतन शिविर 2013 में जयपुर में आयोजित किया गया था। केसी वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस की बैठक चुनाव नतीजों को लेकर हुई। वरिष्ठ नेताओं ने परिणामों पर गंभीरता से विचार किया। बैठक में सोनिया गांधी के नेतृत्व पर फिर से भरोसा जताया गया। वरिष्ठ नेताओं के साथ संसद का सत्र खत्म होने के बाद चिंतन शिविर होगा। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सभी नेताओं ने विचार रखे। कमियों पर खुलकर चर्चा हुई। कार्यसमिति ने नतीजों को कांग्रेस के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। पंजाब में सत्ता विरोधी लहर का पार्टी सामना नही कर सकी। कांग्रेस विधानसभा चुनाव के जनमत को स्वीकार करती है। पार्टी जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाएगी। सोनिया गांधी से अनुरोध किया गया कि वह पार्टी का नेतृत्व मजबूती से करें। संगठन की कमजोरियों को दूर करें।

चिंतन मनन

भाजपा ने रचा इतिहास

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने दोबारा सरकार बनाकर नया इतिहास रचा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम चार रिकॉर्ड दर्ज हो गए। इसके साथ कई मिथक भी टूटे हैं। 18 साल में यह पहली बार है, जब किसी मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव लड़ा। इससे पहले 2003 में सीएम रहते हुए मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी से चुनाव लड़ा था। इस बार सीएम योगी गोरखपुर से चुनावी मैदान में थे। भाजपा की जीत के बाद यह तय है कि योगी आदित्यनाथ ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। देश की आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा, जब कोई मुख्यमंत्री अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्ता पर काबिज होगा। प्रदेश के 70 साल के इतिहास में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। यह अलग बात है कि यूपी में ऐसे कई मुख्यमंत्री हुए, जो दोबारा सत्ता में आए, लेकिन उनमें से किसी ने पहले पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया था। इनमें संपूणानंद, चंद्र भानू गुप्ता से लेकर हेमवती नंदन बहुगुणा तक के नाम शामिल हैं। ये सभी मुख्यमंत्री रहते हुए दोबारा सत्ता में काबिज हुए, लेकिन किसी का पहला कार्यकाल एक साल का था तो किसी का दो या तीन साल का। यह भी एक संयोग ही है कि मायावती से लेकर अखिलेश यादव और खुद योगी आदित्यनाथ तक विधान परिषद के जरिए मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। मतलब इनमें से कोई भी नेता विधायक रहते हुए सीएम नहीं बना। 2003 में आखिरी बार मुलायम सिंह यादव मैनपुरी के गुन्नौर से मुख्यमंत्री रहते हुए चुनाव लड़े थे। चुनाव जीतने के बाद वह विधायक बने और फिर 2007 तक सत्ता संभाली। 2007 में मायावती मुख्यमंत्री बनीं, लेकिन बिना चुनाव लड़े। 2012 में अखिलेश यादव और 2017 में योगी आदित्यनाथ भी विधान परिषद के रास्ते ही मुख्यमंत्री बने। इस बार योगी आदित्यनाथ खुद चुनाव लड़ रहे हैं। 2017 में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने थे। अब वह पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। अब एक बार फिर उनकी सत्ता में वापसी हुई है। वह 1985 के बाद ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे, जो अपनी पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता दिलाएंगे। उत्तर प्रदेश के इतिहास में ऐसे पहले मुख्यमंत्री और राजनेता होंगे, जिनके नेतृत्व में विधानसभा का निर्धारित पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद कोई दल फिर सत्ता में वापसी करेगा। यदि वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हैं तो लगातार पांच साल पूरा करने के बाद दूसरी बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले भी पहले नेता होंगे। यूपी में अब तक माना जाता रहा है कि नोएडा जाने वाले मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित नहीं रहती है। उसकी सत्ता में वापसी नहीं होती। इस कारण कुछ मुख्यमंत्री तो नोएडा जाने से बचते रहे। उद्घाटन या शिलान्यास को लेकर कुछ को कार्यक्रम के सिलसिले में वहां जाने की जरूरत पड़ी तो नोएडा न जाकर अगल-बगल या दिल्ली के किसी स्थान से इस काम को पूरा किया गया। योगी ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जो नोएडा जाने से डरने के बजाय वहां कई बार गए। उन्होंने नोएडा जाने के बाद भी लगातार पांच साल मुख्यमंत्री रहकर एक मिथक तोड़ दिया, लेकिन अब सत्ता में वापसी का मिथक भी तोड़ चुके हैं।

जोर-शोर तैयारी !

होने लगी शपथ ग्रहण की ।
जोर-शोर तैयारी ।।
अपने धुर विरोधियों को ।
मात दी करारी ।।
माथापच्ची चल रही ।
होगा शामिल कौन ?
लग गए हैं काम पर ।
भले दिख रहे मौन ।।
हो रहा प्रयास ।
संतुलन बनाना ।।
रखकर ध्यान बातें ।
गढ़ना है फसाना ।।
है करना सम्मान ।
चलना लेकर साथ ।।
जनता ने उम्मीदों का ।
रखा सर पर हाथ ।।

-कृष्णेन्द्र राय

ऑपरेशन गंगा - सुलगते सवाल

रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध छेड़े गये सैन्य अभियान के बाद भारत सरकार ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को भारत वापस बुलाने के लिये जो कथित 'बचाव अभियान ' छेड़ा उसे 'ऑपरेरशन गंगा ' का नाम दिया गया है। परन्तु यह 'बचाव अभियान' यूक्रेन में नहीं चलाया जा रहा बल्कि भारत अपने नागरिकों को यूक्रेन के सीमावर्ती देशों रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और मॉल्डोवा आदि देशों से वायुसेना के विमानों से भारत वापस ला रहा है। इसलिये कुछ लोग कह रहे हैं कि इसे 'बचाव अभियान' कहने के बजाये 'मुफ़्त वापसी हवाई यात्रा अभियान ' कहना ज्यादा मुनासिब होगा। क्योंकि यूक्रेन में बसे भारतीय विशेषकर वहां भारतीय बच्चे किन अभूतपूर्व संकटकालीन परिस्थितियों में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास की किसी भी सहायता के बिना भूखे प्यासे,बीमार अवस्था में ट्रेन,बसों अथवा पैदल मार्ग से भीषण बंबारी व धमाकों के बीच चलते हुए पड़ोसी रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया व मॉल्डोवा देशों में पहुँच रहे हैं यह सोशल मीडिया पर उनके द्वारा भेजे जा रहे वीडिओ क्लिप से पता चलता है। जबकि हमारे देश का अधिकांश मीडिया यूक्रेन में फंसे भारतीयों के दुःख दर्द बयान करने वाले ऐसे वीडिओज को दिखाकर सत्ता के प्रति अपनी वफादारी पर 'दाग ' नहीं लगाना चाहता।

बहरहाल खबरों के मुताबिक इस स्वदेश वापसी अथवा ऑपरेशन गंगा के तहत गत 8 मार्च तक भारतीय वायुसेना व अन्य भारतीय एयरलाइंस के द्वारा 76 विमानों से 16,000 से अधिक नागरिकों को भारत वापस लाया जा चुका है। जबकि संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद को मंगलवार(8 मार्च) को बताया कि भारत अब तक यूक्रेन से 20 हजार भारतीयों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने में कामयाब रहा। गौरतलब है कि युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों को स्वदेश वापस लाने वाली पहली उड़ान 26 फरवरी को बुखारेस्ट से भारत पहुंची थी। कहा जा रहा है कि युद्धग्रस्त यूक्रेन से लोगों का पलायन द्वितीय विश्वयुद्द के बाद के दुनिया के

सबसे बड़े शरणार्थी संकट की चुनौती के रूप में सामने आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि 11 दिनों के युद्ध के दौरान ही तकरीबन 17 लाख लोग यूक्रेन छोड़ चुके हैं।

'ऑपरेशन गंगा' के दौरान सरकारी प्रतिनिधि के रूप में अनेक मंत्रियों द्वारा अपने सहयोगी 'गोदी मीडिया ' की जुगलबंदी के साथ फिर वही शर्मनाक हरकतें की जा रही हैं जिन्हें मानवीय व नैतिकता के दृष्टिकोण से हरगिज सही नहीं ठहराया जा सकता। गोदी मीडिया की इतनी हिम्मत नहीं कि वह सत्ता से यह सवाल करे कि बावजूद इसके कि रूस व यूक्रेन दोनों ही देशों में भारतीय दूतावास होने के बावजूद क्यों और किन परिस्थितियों में भारतीय दूतावास को समय रहते इस बात की जानकारी नहीं हो सकी कि रूस यूक्रेन पर आक्रमण करेगा ? और इस आक्रमण से पहले भारत समय रहते अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने की एडवाइजरी क्यों नहीं जारी कर सका ? बजाय इसके मीडिया यह जरूर दिखाता फिर रहा है कि कैसे मोदी सरकार के मंत्री हवाई जहाज में घुसकर वापस आये भारतीयों का स्वागत करते हैं और प्रधानमंत्री मोदी का गुणगान करते हैं और उनसे हवाई जहाज में मोदी के जिंदाबाद के नारे भी लगवाये जाते हैं।

परन्तु यही घटनाक्रम आप सोशल मीडिया पर देखें जिन्हें स्वयं यूक्रेन के भुक्तभोगी भारतीय छात्रों व अन्य भारतीय नागरिकों ने रिकॉर्ड व अपलोड किया है तो ऑपरेशन गंगा के लिये सरकार व मीडिया के जुगलबंदी से सत्ता की पीठ थपथपाने के सभी प्रयास खोखले नजर आते हैं। उदाहरण के तौर पर एक भारतीय छात्रा ने बताया कि जब वे भारतीय छात्रों के एक दल के साथ किसी तरह रोमानिया पहुंची तो ह्यरोमानिया के लोगों ने उनकी पूरी सहायता की। उन्हें ठहरने की जगह दी और नाश्ता भोजन व पानी जैसी सभी बुनियादी सहूलियतें मुहैय्या कराईं। जबकि ठीक इसके विपरीत रोमानिया में स्थित भारतीय दूतावास के लोगों ने उन भारतीय बच्चों के साथ अत्यंत आपत्तिजनक व गंदा व्यवहार किया। भारतीय छात्रों के अनुसार भारतीय दूतावास के लोगों ने उनसे कहा कि जो छात्र दूतावास के बाथरूम साफ करेंगे पहले उन्हीं छात्रों को भारत ले जाया जायेगा,शेष लोगों को बाद में भेजा जायेगा। छात्रों के अनुसार वे इतने अधिक थके हुए थे कि बाथरूम साफ करने का उनमें साहस था। इसके बावजूद कई लोग जो यथाशीघ्र संभव भारत वापस जाना चाहते थे उन्होंने बाथरूम व टॉयलेट साफ करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के सामने ही उन्हें यह सब करना पड़ा।

इसी रोमानिया का एक वीडीओ सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ जिसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया व रोमानिया के मेयर के बीच नोक झोंक होती देखी गयी। प्राप्त समाचारों अनुसार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सरकार के प्रतिनधि मंत्री के रूप में रोमानिया में ठहराए गए भारतीय बच्चों से मिलने पहुंचे और बच्चों को संबोधित करते हुए भारत सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का बखान करने लगे। तभी वहां मौजूद शहर के मेयर ने सख़्त लहजे में सिंधिया को टोक दिया और तीखी बहस करने लगा । मेयर ने ऊँची आवाज में पूरे गुस्से में सिंधिया से कहा कि 'आप अपनी बात कीजिए, हम इन बच्चों के रहने और खाने का प्रबंध कर रहे हैं, आप नहीं कर रहे। आप इन्हें ये बतायें कि इन्हें घर कब ले जा रहे हैं? कई वीडियो ऐसे देखने को मिले जिसमें सरकारी प्रतिनधि यूक्रेन से वापस आने वाले नागरिकों को विमान से उतारते समय फूल भेंट करना चाहते हैं परन्तु कई गुस्साए लोग इस फूल को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

यूक्रेन के पड़ोसी देशों में सैकड़ों मील का सफर बसों,ट्रेन्स अथवा पैदल तय कर स्वदेश पहुंचे भारतीय नागरिकों लोगों को भारत सरकार द्वारा अपनी सामर्थ्य और विदेश नीति के तहत, वापस लेन का जो काम किया है उसकी सराहना जरूर की जानी चाहिये परन्तु इसकी आड़ में उनकी परेशानियों पर पर्दा डालने की कोशिश करना और उसी समय अपने प्रयासों की वाहवाही लूटने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाना,अपनी पीठ थपथपाना और इसका राजनैतिक लाभ उठाना, यह नैतिकता के बिल्कुल विपरीत है। पहले भी सरकार ने इराक सहित अनेक युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिये बचाव एवं वापसी के कई सफल अभियान चलाये हैं परन्तु किसी सरकार ने ऐसा ढिंढोरा नहीं पीटा। परन्तु सरकार के लाख ढिंढोरों के बावजूद भुक्तभोगी लोगों के वीडिओ व उनके बयान 'ऑपरेशन गंगा' को लेकर कई सुलगते सवालों को जन्म जरूर देते हैं।

जागरूक उपभोक्ता प्रगति का प्रतीक है

अर्थ चिंतन की पूंजीवादी अवधारणा में यह स्वीकार्य था कि समाज में उपभोक्ता ही राजा होते हैं क्योंकि इनकी रूचि, पसंद और मांग ही पूरी अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने में निर्णायक होती है। इस स्थिति को अमेरिका के विलियम हेराल्ड हट ने पहली बार 'उपभोक्ता की सार्वभौमिकता' शब्द से निरूपित किया जैसा कि एक उच्च डच कहावत है "डी क्लांट इज कोनिंग" अर्थात ग्राहक राजा है। समय के बदलाव के साथ विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की संकल्पना ने उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित किया। बाजार नियंत्रित समाजों में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण सृजित हुआ जहां नैतिकता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों का अभाव था। विशुद्ध मुनाफाखोरी, कालाबाजारी, अनैतिक व्यापार की दूषित मानसिकता ने उपभोक्ता की सार्वभौमिकता के प्रभाव को निस्तेज कर दिया। यह धारणा विकसित हुई कि समाज के भीतर व्याप्त प्रत्येक तत्व उपभोग करने योग्य है। आवश्यकता बस इतनी है कि उसे सही तरीके से एक आवश्यक वस्तु के रूप में बाजार में स्थापित कर दिया जाए। उपभोक्ताओं को रूपहले मायावी, विज्ञापनों के आकर्षण की मृग मरीचिका से भ्रमित कर उनके लिए महंगी और गैर जरूरी वस्तुओं की भूख जागृत की। आधुनिक जीवन शैली को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों ने स्वयं को सामाजिक दायित्व बोध से मुक्त कर अपने उत्पादों के खोखले दावों और मिथ्या प्रचार के भ्रम जाल में उपभोक्ताओं को कैद कर लिया। बड़े-बड़े लोकप्रिय सेलिब्रिटिओं ने भी कुछ अपवादों को यदि छोड़ दें तो बिना जांच-पड़ताल के ही ऐसे मिथ्या विज्ञापनों को रूपायित किया जो उपभोक्ताओं के प्रति उनकी गैर जिम्मेदारी को प्रकट करते हैं। फलस्वरूप उपभोक्ताओं को असल और नकल के बीच की महीन रेखा को पहचानना कठिन हो गया। ऐसी विषम परिस्थितियों ने उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए उपभोक्ता आंदोलन को जन्म दिया जो अमेरिका में रालफ नाडेर के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। 15 मार्च 1962 को अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने अमेरिकी संसद में उपभोक्ता संरक्षण संबंधी विधेयक को मंजूरी दी जिसमें उपभोक्ता सुरक्षा का, सूचित किये जाने, चयन करने और सुनवाई करने के अधिकार थे। बाद में प्रतितोषण पाने और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार जोड़ा जो संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार घोषणापत्र में भी सम्मिलित थे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 15 मार्च 1983 से विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाना प्रारंभ किया। भारत में 1966 में मुंबई से फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन ने उपभोक्ता आंदोलन, उद्योगपति जेआरडी टाटा के नेतृत्व में प्रारंभ किया। 1974 में श्री बीएम जोशी ने पुणे में स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना की। तत्पश्चात देश के विभिन्न राज्यों में उपभोक्ता हितों के संरक्षण हेतु स्वयंसेवी संगठनों का गठन प्रारंभ हुआ और उपभोक्ता आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता रहा।

भारत सरकार ने कानूनी स्तर पर 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया जिसमें 1993 एवं 2002 में आवश्यक संशोधन किए गए। लेकिन सूचना क्रांति के विस्फोट के इस दौर में बाजार में आए बदलावों के चलते यह अनेक मामलों में लगभग अप्रासंगिक होने, अनुचित व्यापारिक लेन-देन, वस्तुओं के कृत्रिम संकट, मूल्यों में हेराफेरी, अमानक और गुणवत्ताहीन वस्तुओं के विक्रय, वस्तुओं के घटिया उत्पादों, वजन, माप, मात्रा में बेईमानी तथा नए बाजार के उपभोक्ताओं की बदली हुई जरूरतों को पूरा करने के संबंध में पर्याप्त समाधान नहीं कर सका। इसीलिए वर्ष 2019 में इस विधेयक में संयुक्त राष्ट्र संघ के उपभोक्ता संरक्षण पर जारी दिशा-निदेशों को समाविष्ट कर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया। विधेयक में उपभोक्ता वह व्यक्ति है जो अपने उपयोग के लिए कोई वस्तु खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से टेलिशॉपिंग, बहुस्तरीय मार्केटिंग या सीधे खरीद के जरिए किए जाने वाले सभी तरह के ऑनलाइन या ऑफलाइन लेनदेन भी सम्मिलित है किन्तु ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किसी वस्तु या सेवा को खरीदते हैं। इसमें उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए त्रिस्तरीय अर्ध न्यायिक तंत्र के तहत केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के गठन का प्रावधान है जो राज्य और जिला स्तर पर भी गठित होंगे। यह प्राधिकरण अनुचित व्यापार प्रथाओं, भ्रामक विज्ञापनों तथा उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों का विनियमन के साथ वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में भी कार्य करेगा जिसमें मुकदमे के बाद भी मध्यस्थता का प्रावधान है।

विधेयक में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के गठन का प्रावधान है। जिसमें कोई भी उपभोक्ता क्षेत्राधिकार अनुसार ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं। जिला आयोग के आदेश के विरुद्ध राज्य आयोग तथा राज्य आयोग के आदेश के विरुद्ध राष्ट्रीय आयोग में अपील और अंतिम अपील करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय सक्षम है। अनुचित अनुबंध के विरुद्ध शिकायत केवल राज्य और राष्ट्रीय आयोग में ही की जा सकेगी। कोई भी उपभोक्ता यदि मांगी गई क्षतिपूर्ति की राशि एक करोड़ रुपए है तो जिला स्तर पर, एक करोड़ से अधिक किन्तु 10 करोड़ से कम राशि होने पर राज्य स्तर पर और 10 करोड़ से अधिक राशि के मामलों की सुनवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष होगी। इस विधेयक में ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार के लिए नियमों विनियमों का प्रावधान जो सलाहकारी न होकर अनिवार्य है। जहां तक सेलिब्रिटीज का प्रश्न है वे समाज में अधिक लोकप्रिय प्रभावी और अनुकरणीय होते हैं। यदि उनके द्वारा भ्रामक विज्ञापन किया जाता है तो पहले अपराध के लिए दस लाख रुपये तथा 1 साल का प्रतिबंध जबकि दूसरे अपराध के लिए पचास लाख का जुमार्ना और 3 वर्ष तक प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इसी प्रकार भ्रामक विज्ञापन के लिए कंपनियों पर भी शिकंजा कसते हुए पहले अपराध के लिए दस लाख और 2 वर्ष की जेल इसके बाद के अपराध के लिए 50 लाख रुपये जुमार्ना और 5 वर्ष तक की जेल तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट संबंधी प्रकरणों में जुमार्ने के साथ उम्र कैद की सजा का प्रावधान है।

भारत में उपभोक्ताओं को सशक्त समृद्ध बनाने के विशिष्ट प्रावधान होने के बावजूद सामाजिक आर्थिक समस्याओं, गरीबी, निरक्षरता, जानकारी का अभाव, क्रय शक्ति में कमी और उपभोक्ताओं के संगठित न होने के कारण उनके अधिकारों के दमन, ठगी, धोखाधड़ी व व्यापार संबंधी अनुचित क्रियाकलापों की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं और विडंबना यह है कि पढ़े-लिखे तबके के उपभोक्ता भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। वे ठगे जाने पर भी मौन रहते हैं। शिकायत नहीं करते। निःसंदेह उपभोक्ताओं के संरक्षण हेतु सरकारी, गैर सरकारी स्तर पर उपभोक्ता शिक्षा अभियान की आवश्यकता है। साथ ही अनैतिक व्यापार में लिप्त वर्गों को व्यावसायिक पवित्रता, नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है ताकि उपभोक्ता बाजारवाद की कठपुतली न बने। इस संबंध में शासन की ओर से कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपभोक्ताओं को कहीं से भी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए 'ई दाखिल पोर्टल' प्रारंभ किया गया है जिसमें फाइलिंग, ऑनलाइन भुगतान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई आदि के प्रावधान हैं ताकि उपभोक्ता के समय श्रम धन की बचत के साथ त्वरित न्याय मिल सके।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्यव में दत्तोपंत ठेगड़ी की प्रासंगिकता

साम्राज्यावाद की महत्वणकांक्षा से प्रथम, द्वितीय पश्चाति तृतीय विश्वायुद्ध की ओर बढ़ता यूक्रेन-रूस संघर्ष संपूर्ण मानवीयता के लिए खतरा बन चुका है। रूस ने यूक्रेन से नाटो के संबंध और क्रीमिया पर अंतरराष्ट्रीय रुख को अपनी कार्रवाई का आधार बताया है। गौरतलब है कि दूसरे विश्वयुद्ध में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिरा कर दुनिया को इसके अंजाम के बारे में बता दिया था। तब वह पहला परमाणु बम था। पिछले पचहत्तर साल में दुनिया के देशों ने जिस तरह के जैविक और परमाणु हथियार ईजाद किये हैं, उससे होने वाले विनाश की कल्पना भी नहीं की जा सकती। युद्ध और महामारी जैसी विपत्तियां जनजीवन को किस तरह तबाह करती हैं, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। ऐसे में अगर दुनिया के बड़े देशो की युद्ध मे शामिल होने से उत्पबन्द आर्थिक प्रतिंबधों से अस्तित्वय का संकट पर चिन्तार स्वलभाविक है। दुःखद है कि अफगान पर अमरीका की नीति के बावजूद उसके रुख से विश्वक को इतने बड़े संकट में डाल दिया। लेकिन देर आये दुरुस्ता आये की तर्ज पर यह सुखद संकेत है कि यूक्रेन ने रूस की शर्तों को मान लिया है। सेवियत संघ के विघटन पश्चांत पिछले तीन दशकों में अमरीका एकध्रुवीय समाज्यर कायम करने में सफल रहा है लेकिन यूक्रेन हमले के साथ ही यह चक्र घूम जाने से भारत जैसे देश किम कर्तव्व्यिमूढ़ स्थिति में पहुंच गये। क्योंकि अमरीका भारत समेंत नई दुनिया का मित्र माना गया लेकिन उन्नवत अस्त्रत हमें रूस ही आपूर्ति करता रहा है। इस दुविधा का खामियाजा यूक्रेन में फंसे भारतीयों को भुगतना पड़ा। क्योंतकि युद्धदर्शक होकर भी बार्बरीक की तरह सर कलम करवाना पड़ता है। भारत को यह बात समझना चाहिये कि युद्ध में तटस्थो नहीं रहा जा सकता, अतएव रूबल के साथ रुपये की भी दुर्गति से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि हाल ही में संपन्नव चुनावी प्रक्रिया से पूर्व ही प्रधानमंत्री ने पिछले सत्र में पं. जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल में हुए बाहरी देशों में अशांति का हवाला देते हुए मंहगाई बढ़ाने का संकेत दे दिया है। इनके अलावा यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के श्रेय में वायरल होती क्लिप सरकार को इलजास में खड़ा करते हैं। समझ नहीं आता कि ये वही स्वेयंसेवक हैं जिन्हेह अभ्यानसवर्ग में प्रशिक्षित किया गया था।

अभ्याईसवर्ग, श्रम अनुभव, अंतरराज्यीयय छात्र जीवन दर्शन, कश्मीर बचाओ, तीन बीघा सहित विद्यार्थी परिषद के अनेक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका के बाद जब वर्ष 1991 में संघ कार्य के दौरान तत्काचलीन जिला प्रचारक निरंजन शर्मा ने टिमरनी में आयोजित भाऊ साहब भुस्कुटि स्म. ति व्या ख्याजनमाला में चिंतक दत्तोपंत ठेगड़ी से परिचय कराया तब मैंने संघ का साक्षात्कार किया। उन्हें सुनने की उत्काण्ठा में व्याककुल इन्द्रिया उन पर शोध करने जिज्ञासा से विद्रोह करने लगीं। आज पंजाब में परिवर्तन का जो मंजर है उसमें कुछ नवो-?मेष सा प्रतीत होता है। माधवराव सदाशिव गोलवलकर गुरूजी ने कहा था जब एक बार एकता की जीवनधारा हमारे राष्ट्रपुर्युष की सभी धमनियों से निर्बाध रूप से प्रवाहित होनी प्रारंभ हो जायेगी, तो हमारे राष्ट्री य जीवन के विभिन्नन अंग स्व्यंमेव सक्रिय होकर समन्वित रूप से समूचे राष्ट्र के कल्याोण के लिए काम करने लगेंगे। क्योंकि पॉच और राज्योंन सहित विश्वम का प्रतिनिधित्व करने जा रही भाजपा को डाक्टोर हेडगेवार के वरदहस्तश दत्तो9पंत ठेगड़ी के चिन्तगन से अवगत कराना प्रासंगिक होगा। एक राजनीतिक दल के लिए उनके विचार शायद स्वचस्थे राजनीति की दिशा निर्धारित कर सकें।

दत्त अर्थात देना और पंत अर्थात मार्ग । इस प्रकार संस्कृातियों के उत्थाान का मार्ग प्रशस्ति करने वाले दत्तोपंत ठेगड़ी के विचार संघोपनिषद तत्वअ का दर्शन कराता है । अपने जीवन से पत्रम, पुष्पम् फलम् तोयम् देने वाले ठेगड़ी जी ने महात्मो गांधी के हिन्दे स्वदराज्यत का हवाला देते हुए कहा था कि हमारे देश में ब्रिटिश पार्लियामेण्ट्री सिस्टंम नहीं चलेगा, यदि इसे थोपा गया तो उसके घोर दुष्पंरिणाम हों। नेताओं की हालत ऐसी वेश्याए के समान हो जायेगी जिसे खरीदा और बेचा जा सकता है। जिस देश में साठ प्रतिशत गरीबी, निरक्षरता है वहां विधायकों ,सांसदों को बड़ी संख्याना में चुनकर लाने के लिए भ्रष्टाचार से अर्जित धन को बहाना उपयुक्ता नहीं होगा। इस परिप्रेक्ष्या में राजनीति एक सौम्यह कला है- गरीब जनता से वोट प्राप्तद करने की तथा चुनाव के लिए श्रीमान् लोगों से धन लेकर उन्हेंर परस्पंर संरक्षण का विश्वासि दिलाने की। यदि कोई ध्ये यवादी राजीतिक दल तक जनता के उत्थाथन के लिए भ्रष्टीचारमुक्तग प्रतिबद्धता के साथ दीर्घकाल तक धीरज रखने वाला हो तभी वह केवल साधन शुचिता को कायम रख सकता है । लेकिन जिन्हेंश सत्ताो में आने की जल्दपबाजी हो उसके लिए वोट व नेता खरीदने के लिए भष्टोचार और अपराध अपरिहार्य हो जाता है। पैसा गरीब से तो मिलेगा नहीं और कोई धनवान कर्ण, शिवि, युधिष्ठिर या हर्षवर्धन नहीं है जो बिना स्वा र्थ के दान करेगा। जाहिर है इसके पीछे व्यतक्तिगत, पारिवारिक स्वाधथ के लिए या गरीबों की बलि पर राष्ट्री य स्वा भिमान को बेचने वाले धीरजहीन लोगो का संवर्धन और रक्षण शामिल होता है। यह यात्रा यहीं नहीं रुकती, विदेशी तंत्र अपने साम्राज्ये के अड्डे निर्माण के लिए जनता का आर्थिक शोषण करने देने की शर्त पर देश के नेताओं से सौदेबाजी करने पर विवश होती हैं, जिसके चलते हम आर्थिक संकट सहित अन्य षड़यंत्रों का शिकार होते आये हैं। गरीब विरोधी नीतियों को लेकर यदि सरकार चलती है तो सरकार के पास प्रोपेगंडा मशीनरी अच्छी होगी। जब जागरुक जनता ऐसे सत्तौधारियों को सबक सिखाना चाहती है तो तानाशाही का सच सामने आता है। फिर आपातकाल जैसी रणनीति के तहत एक को आश्वायसन दूसरे की पिटाई की जाती है। मार्किज्म के घोर आलोचक होते हुए भी ठेंगड़ी जी मार्क्सन के व्यटक्तित्वज व वैश्विक वैचारिक संपदा में उनके बौद्धिक योगदान के प्रशंसक थे। इस बारे में वे शंकराचार्य का उदाहरण देते हुए बताते थे कि वे बौद्ध दर्शन का तो खंडन करते थे किंतु गौतम बुद्ध के प्रशंसक थे और उनकी संस्तुतति करते हुए कहते थे झ्र य आस्तेच कलौ योगीनां चक्रवर्ती, स बुद्धः प्रबुद्धोस्तुश्चितबर्ती ।। अर्थात मेरे मन में उन भगवान

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं।

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्जरी नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, जिप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन औ? लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फोटो खीचते नजर आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्ममा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुमुर्खी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रुपए के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अणीर्राज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं।

दुनियाभर में पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है जयपुर

पिंक सिटी के नाम से जाना जाने वाला जयपुर शहर सिर्फ देशभर में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। जयपुर वास्तुशिल्प रत्नों से समृद्ध, संस्कृति और विरासत का एक अद्भुत वंडरलैंड है। यहां पर घूमने के लिए एक या दो नहीं, बल्कि कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। जिनके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

जयगढ़ का किला

अगर जयपुर में घूमने के स्थानों की बात हो और उसमें जयगढ़ के किले का नाम ना लिया जाए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। समुद्र तल से 500 फीट की ऊंचाई पर खड़ा यह 18 वीं सदी का किला एक ताज की तरह अरावली पर्वतमाला में ईगल की पहाड़ी को सुशोभित करता है। यह इस देश के शासकों के लिए तोपखाने के उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र था। जयगढ़ किले का एक मुख्य आकर्षण जयवाना तोप है, जो कभी पहियों पर दुनिया की सबसे बड़ी तोप थी।

सिटी पैलेस

शहर के केंद्र में स्थित, सिटी पैलेस जयपुर के सबसे उल्लेखनीय पर्यटक आकर्षणों में से एक है। इस महल की वास्तुकला राजपूत और मुगल शैलियों का एक शानदार मिश्रण है। विशाल उद्यान, आंगन, हॉल, शाही निवास और कला दीघाओं से सुसज्जित, इस महल का हर हिस्सा राजपुताना महिमा को दशार्ता है। महल में एक संग्रहालय भी है जहां आप महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय और महाराजा सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा इस्तेमाल किए गए शाही परिधानों को भी देख सकते हैं।

हवा महल

हवा महल लाल और गुलाबी बलुआ पत्थर से निर्मित पांच मंजिला पिरामिडनुमा इमारत है और यह जयपुर में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा निर्मित, इसमें 953 छोटी खिड़कियां हैं। इस इमारत के आंतरिक कक्ष खिड़कियों की अविश्वसनीय जाली के माध्यम से यहां पर हवा का एक अलग ही आनंद ले सकते हैं। यदि आप हवा महल की चोटी पर चढ़ते हैं, तो आप सिटी पैलेस और वहाँ से जंतर मंतर के अद्भुत नजारे देख सकते हैं।

जंतर मंतर

जंतर मंतर एक खगोलीय वेधशाला है जो 1734 की है और इसे महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय के आदेशों के तहत बनाया गया था। यह दुनिया की सबसे बड़ी सूर्यघड़ी है, जो पत्थरों से बनी है। इस स्थान को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है और जयपुर में घूमते समय आपको जंतर मंतर की यात्रा जरूर करनी चाहिए।

मिताली जैनवैसे तो पुरुषों के लिए भी मार्केट में कई प्रॉडक्ट्स अवेलेबल हैं, लेकिन अगर नेचुरल हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे किसी तरह के रिएक्शन होने का खतरा भी नहीं रहता।

अमूमन देखने में आता है कि महिलाएं तो अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए तरह-तरह के प्रॉडक्ट्स व स्किन केयर रूटीन को फॉलो करती हैं, लेकिन पुरुषों को यह समझ नहीं आता कि वह किस तरह अपनी स्किन की केयर करें। वैसे तो पुरुषों के लिए भी मार्केट में कई प्रॉडक्ट्स अवेलेबल हैं, लेकिन अगर नेचुरल हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे किसी तरह के रिएक्शन होने का खतरा भी नहीं रहता। साथ ही स्किन को अतिरिक्त पोषण भी मिलता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ही हर्ब्स के बारे में बता रहे हैं, जो पुरुषों की स्किन पर निखार लाने में मदद करते हैं-

कैमोमाइल

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि कैमोमाइल में अल्फा-बिसाबोलोल कंपाउंड काफी हाई पाया जाता है, जिसके कारण यह सूजन को कम करने में मदद करता है, जो मुँहासे, चकत्ते और एक्जिमा को शांत करता है। इसके अलावा, यह सनबर्न या मुँहासे के कारण होने वाले डिस्कलरेशन को कम करने के लिए भी जाना जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले कैमोमाइल चाय बनाएं और उसे ठंडा हो जाने दें। इससे अपने पूरे शरीर व चेहरे को धोएं।

चेरापूंजी, जहां पुल उगते हैं और प्रकृति का बारिश नृत्य होता है

चेरापूंजी दुनिया भर में न केवल भारी वर्षा के लिए बल्कि बहुत लोकप्रिय

इन रूट पुलों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इनको उगाया जा सकता है, जब भी और जहां भी आवश्यकता होती है। ऐसा करने के लिए खासी सुपारी का उपयोग करते हैं। पेड़ की पतली जड़ें बिना भटके बढ़ती रहती हैं। दूसरी तरफ पहुंचने पर उन्हें मिट्टी में जड़ लेने और मजबूत होने का समय दिया जाता है।

जीवित मूल (छ्र्ल्लॅ फ्ङ्ङ्३) पुलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर के आसपास की दक्षिणी खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ नम और गर्म हैं और इन पहाड़ियों पर भारतीय रबर के पेड़ की एक प्रजाति पाई जाती है।

चेरापूंजी, जिसे सोहरा के रूप में भी जाना जाता है, पूर्वोत्तर भारतीय राज्य मेघालय में स्थित एक उच्च ऊंचाई वाला शहर है। यह अपने जीवित मूल (जड़) पुलों के लिए जाना जाता है, जो रबर के पेड़ों से बना है।

मेघालय राज्य में पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित चेरापूंजी (जिसे आधिकारिक तौर पर सोहरा कहा जाता है) को अक्सर पृथ्वी पर सबसे अधिक नम जगह के रूप में जाना जाता है। यह मानसून के जुलाई और अगस्त के महीनों में सबसे अधिक वर्षा का विश्व रिकॉर्ड रखता है। चेरापूंजी आसपास की घाटियों से 600 मीटर ऊपर एक पठार पर स्थित है। यह उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दोनों मानसूनी हवाओं से प्रभावित होता है जो इसे एक मानसून का मौसम देते हैं। यहाँ ज्यादातर रात में बारिश होती है। यह खासी पर्वत के नीचे की ओर स्थित है।

चेरापूंजी दुनिया भर में न केवल भारी वर्षा के लिए बल्कि बहुत लोकप्रिय जीवित मूल पुलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर के आसपास की दक्षिणी खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ नम और गर्म हैं और इन पहाड़ियों पर भारतीय रबर के पेड़ की एक प्रजाति पाई जाती है। इस पेड़ में एक अविश्वसनीय रूप से मजबूत जड़ प्रणाली है, जो कई सदियों से जीवंत है। ये सहायक जड़ें बड़े शिलाखंड या नदियों के बीच में भी आसानी से पनप सकती हैं। मेघालय में एक जनजाति, जिसे युद्ध-खासी कहा जाता है, ने बहुत पहले इस पर ध्यान दिया और महसूस किया कि ये मजबूत जड़ें कई स्थानों पर नदियों को आसानी से पार करने का अवसर और साधन प्रदान कर सकती हैं।

इन रूट पुलों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इनको उगाया जा सकता है, जब भी और जहां भी आवश्यकता होती है। ऐसा करने के लिए खासी सुपारी का उपयोग करते हैं। पेड़ की पतली जड़ें बिना भटके बढ़ती रहती हैं। दूसरी तरफ पहुंचने पर उन्हें मिट्टी में जड़ लेने और मजबूत होने का समय दिया जाता है। औसतन एक मजबूत रूट ब्रिज को पूरी तरह से कार्यशील होने में 10-15 साल लगते हैं। इनमें से कुछ पुल 100 फीट से अधिक लंबे हैं और एक समय में पचास या अधिक लोगों के वजन का आसानी से सहन कर सकते हैं। वे जितने पुराने होते हैं, उतने ही मजबूत होते हैं। इनमें से कुछ पुल 500 साल से भी अधिक पुराने हैं।

चेरापूंजी में सबसे अधिक वर्षा क्यों होती है?

चेरापूंजी में भारी वर्षा का कारण समझना काफी जटिल है, लेकिन अनिवार्य रूप से यह मानसून के बादल हैं जो बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनते हैं।

ओडिशा में मौजूद हैं भारत की यह खूबसूरत झीलें

महानदी नदी के किनारे पर स्थित है और सारनदा हिल्स और बिष्णुपुर हिल्स से घिरा हुआ है, अंसुपा झील में अपार प्राकृतिक सुंदरता और विदेशी वनस्पति और जीव हैं। यह तैरते, जलमग्न और उभरते हुए जलीय पौधों और कई जलीय जीवों का घर है।

ओडिशा टूरिस्ट के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। भव्य मंदिरों, संग्रहालयों और मठ, समुद्र तट, जंगल और हरी-भरी पहाड़ियों के अलावा यहां पर कुछ बेहतरीन झीलें है। ओडिशा की झीलें प्राकृतिक और मानव निंमित दोनों हैं और स्थानीय और पर्यटकों दोनों के लिए दर्शनीय स्थल हैं। तो चलिए आज हम आपको ओडिशा की कुछ खूबसूरत झीलों के बारे में बता रहे हैं-

चिल्का झील

चिल्का झील सबसे बड़ी और ओडिशा की सबसे लोकप्रिय झीलों में से एक है। भारत में सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है। हर तरफ हरे भरे जंगलों से घिरा, चिल्का झील पर्यटकों को बर्ड वॉचिंग, पिकनिक, बोटिंग और मछली पकड़ने के लिए बेहतरीन है। चिल्का झील झील की यात्रा के लिए नवंबर से मार्च सही समय है क्योंकि साइबेरिया से बहुत से प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

अंसुपा झील

महानदी नदी के किनारे पर स्थित है और सारनदा हिल्स और बिष्णुपुर हिल्स से घिरा हुआ है, अंसुपा झील में अपार प्राकृतिक सुंदरता और विदेशी वनस्पति और जीव हैं। यह तैरते, जलमग्न और उभरते हुए जलीय पौधों और कई जलीय जीवों का घर है। यह झील न केवल वनस्पति विज्ञानियों और प्राणीविदों को आकर्षित करती है, बल्कि इसकी समृद्ध जैव विविधता भी बेहद लोकप्रिय है। आप यहां पर एक बस झील के किनारे बैठकर, शांत वातावरण का आनंद ले सकता है।

पाटा झील

छतरपुर शहर के पास स्थित, पाटा झील ओडिशा में मीठे पानी की झीलों में से एक है, जो साल भर पर्यटकों द्वारा घूमती है। खूबसूरत परिवेश से लेकर अपनी स्फूर्तिदायक ताजगी के लिए, पाटा झील काफी सुंदर जगह है और स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है।

कंजिया झील

यदि आप भुवनेश्वर में हैं, तो कांजिया झील को अपनी सूची में जरूर रखें। शहर के बाहरी इलाके में स्थित, यह झील 66 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है और इसे प्रमुख जल स्त्रोत माना जाता है। वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध जैव विविधता इसे ओडिशा की एक महत्वपूर्ण झील बनाती है। नंदन कानन जूलॉजिकल पार्क से जाने या वापस आते समय लोग आम तौर पर इस झील का दौरा करते हैं।

अपर जोंक

यह जोंक नदी के पास पटोरा गांव में स्थित है। यह झील ओडिशा की लोकप्रिय झीलों में से एक है। चारों ओर से पहाड़ियों और जंगलों से घिरी इस झील की प्राकृतिक सुंदरता उत्कृष्ट है और यहाँ आने वाली ठंडी हवा हर आगंतुक के मन और आत्मा को तरोताजा कर देती है।

चिल्का झील सबसे बड़ी और ओडिशा की सबसे लोकप्रिय झीलों में से एक है। भारत में सबसे बड़ी खारे पानी की झील है और दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है। हर तरफ हरे भरे जंगलों से घिरा, चिल्का झील पर्यटकों को बर्ड वॉचिंग, पिकनिक, बोटिंग और मछली पकड़ने के लिए बेहतरीन है। चिल्का झील झील की यात्रा के लिए नवंबर से मार्च सही समय है क्योंकि साइबेरिया से बहुत से प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

अमिताभ-देवगन की रन-वे 34 का पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और सिंघम स्टार अजय देवगन की आने वाली फिल्म रन-वे 34 का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। अमिताभ बच्चन और अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म रन-वे 34 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस थ्रिलर फिल्म में अजय देवगन पायलट के किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म निर्माता ने फिल्म के दो मोशन पोस्टर रिलीज किए हैं, जिसमें अजय देवगन और अमिताभ बच्चन अपने-अपने किरदारों के साथ शानदार डॉयलॉग्स बोल रहे हैं।

पहले मोशन पोस्टर को अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया हैं। इस मोशन पोस्टर में अजय वॉयस-ओवर में कहते हैं, हर हादसे के दो पहलू होते हैं। क्या हुआ और कैसे हुआ, इस क्या हुआ और कैसे हुआ के बीच में जो दयार है सच वहीं छुपा हुआ है। इस पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, ब्रेस फॉर इंपैक्ट साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट के बारे भी जानकारी दी है। यह फिल्म 29 अप्रैल को सिनेमाघरों मे रिलीज होगी। वहीं, दूसरे मोशन पोस्टर में अमिताभ बच्चन पायलट पर यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने को लेकर सवाल कर रहे हैं। मोशन पोस्टर में अमिताभ कहते हैं कि, अगर, मगर, लेकिन, शायद आपने 150 यात्रियों की सलामती इन चार शब्दों पर छोड़ दी।

याददाश्त रहेगी स्ट्रांग

डॉ. रविंद्र पोरवाल
मुख्य चिकित्सक
श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय

कानपुर (एसएनबी)। घटती स्मरण शक्ति को दुरुस्त करके याददाश्त बढ़ाने के लिए श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय, भगवतदास घाट, सिविल लाइंस, कानपुर के मुख्य चिकित्सक डॉ. रविंद्र पोरवाल ने कुछ घरेलू नुस्खे बताए हैं।

क्यों घटती है याददाश्त

क्षमता से ज्यादा मानसिक श्रम करना, किसी बीमारी के कारण दिमागी रूप से जल्दी थक जाना, लंबे समय तक एसिडिटी का प्रकोप रहना, कब्ज या कई-कई दिन तक खुलकर पेट साफ ना होना, आंतों में गैस बनना और पेट फूलना, गंभीर बीमारी के ठीक होने के बाद आई शारीरिक और मानसिक दुर्बलता, शरीर में पोषक तत्वों की कमी होना, लिवर की गंभीर और कष्टदाई बीमारी जैसे अनेक कारण हैं, जिनका बुरा असर स्मरण शक्ति पर होता है।

इसके अलावा विभिन्न प्रकार का नशा, बीड़ी-सिगरेट पीना, तंबाकू खाना, शराब, चरस, गांजा जैसे मादक पदार्थों का सेवन मन-मस्तिष्क के ऊपर बुरा असर डालता है और स्मरण शक्ति कम हो जाती है। क्रॉनिक रोगों में निरंतर ली जाने वाली कुछ एलोपैथिक औषधियां भी शरीर की रासायनिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करती हैं और इनका बुरा प्रभाव मन-मस्तिष्क पर होता है, फलस्वरूप याददाश्त कम होने लगती है।

कम होने के लक्षण

बात करते-करते विषय वस्तु को भूल जाना, किसी जाने-पहचाने व्यक्ति को देखकर उसे ना पहचान पाएं, मोबाइल नंबर, एड्रेस इत्यादि भूल जाना, ऑफिस या घर पर महत्वपूर्ण वस्तुओं, कागजों, पर्स, पैसे, चाबी आदि-आदि को छोड़कर चले जाना, जिस कार्य के लिए घर या ऑफिस से निकले उसे पूरी तरह अंजाम ना दे पाना, काफी समय तक लिखने-पढ़ने के बाद भी दिमाग में याद ना हो पाना जैसे अनेक लक्षण हैं, जो हमारी याददाश्त की कमी को प्रदर्शित करते हैं।

याददाश्त बढ़ाने के उपाय

1. 8 घंटे की गहरी और शांत नींद लें, स्वप्न रहित नींद को आदर्श माना जाता है। शारीरिक श्रम खूब करें। दिन में एक बार जरूर पसीना निकलना चाहिए। यदि गहरी और शांत नींद नहीं आती है तो रात्रि सोते समय बिस्तर पर हरी धनिया का शरबत मिश्री मिलाकर पीने से याददाश्त पर बहुत अच्छा फर्क आता है। दोपहर भोजन में दाल के स्थान पर दही का सेवन करना भी अच्छा है।

2. भोजन तला हुआ, प्याज लहसुन फ्राई किया हुआ, अदरक टमाटर को तल भूनकर खाने से याददाश्त पर बुरा प्रभाव होता है। भारतीय संस्कृति में प्रयुक्त अनेक प्रकार के किचन के मसालों को भी तेल में बुरी तरह भूनना और ज्यादा मात्रा में उसका सेवन करना याददाश्त को बहुत कमजोर बना देता है।

3. साफ मिट्टी का पेस्ट बनाकर मिट्टी की पट्टी को आखों के ऊपर और माथे पर आधा घंटे प्रातःकाल एवं 20 मिनट से लेकर 30 मिनट तक शाम के समय रखने से दिमाग की चंचलता नियंत्रित होती है। गर्मी शांत होकर सुकून मिलता है और याददाश्त बढ़ती है।

4. एसिडिटी के कारण याददाश्त पर बुरा असर हो रहा है तो प्रातः नाश्ते में अंकुरित अनाज या ताजे फल का जूस लीजिए और एक चम्मच जीरा सुबह-सुबह खाली पेट चबा-चबा कर खा लीजिए। भोजन के उपरांत घर पर ही ताजे और स्वच्छ बने हुए आंवले का एक या दो मुरब्बा व देसी गुलाब से निर्मित गुलकंद का सेवन करना अच्छा है। एसिडिटी, पेट के अल्सर और भयंकर सांस फुलाने वाली कमजोरी को पूरी तरह यह ठीक कर देता है।

5. 100 ग्राम खरबूजा के बीज, सौ ग्राम तरबूज के बीज, 10 ग्राम सफेद मिर्च को पीसकर आटे की तरह बारीक कर लें। 10 ग्राम यह पाउडर प्रातः खाली पेट खाएं, ऊपर से गुनगुना दूध पी लें। यदि इसके साथ घर में बना हुआ आंवले का एक मुरब्बा भी सेवन कर लें तो यह गिरती हुई याददाश्त को ठीक करके मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाता है और विस्मृति की बीमारी से पूरी तरह छुटकारा पाने का बहुत प्रभावशाली उपाय है।

6. गेहूं के ताजे हरे जवारों का 50 मिली रस प्रातः खाली पेट लेने से याददाश्त बहुत तेज हो जाती है। इमली का बिना चीनी का 25 मिली रस रात्रि को सोते समय पीने से इम्युनिटी बढ़ती है। शरीर के अंदर बल और शक्ति बढ़ती है और सबसे अधिक यह याददाश्त व धैर्य बढ़ाने के लिए बहुत कारगर है।

7. भोजन के उपरांत शंखपुष्पी का 25 मिली काढ़ा याददाश्त को तेज करने के लिए रामबाण उपाय है। अंकुरित गेहूं, अंकुरित मोठ और अंकुरित चना बिना नमक नींबू या टमाटर आदि को मिलाएं प्रातः खाली पेट सेवन करें। इसके ऊपर एक गिलास दूध पीने से मानसिक शक्ति में वृद्धि होती है। विद्यार्थियों विशेषकर उच्च शिक्षा के दौरान 10 घंटे या उससे अधिक समय तक पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए यह काढ़ा सायंकाल को भी पीना बहुत हितकारी है।

8. चरण आसन, सिंहासन, वीरासन, अर्धमत्स्येंद्रासन, पक्षी आसन और अलोम विलोम प्राणायाम भी याददाश्त को बढ़ाने के लिए बहुत कारगर साधन है।

9. जंक फूड, फास्ट फूड और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, जिनमें कीटनाशक विभिन्न प्रकार के केमिकल इत्यादि का समावेश होता है, हमें ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना होगा। इनका पूरा असर मन मस्तिष्क पर होता है और याददाश्त पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

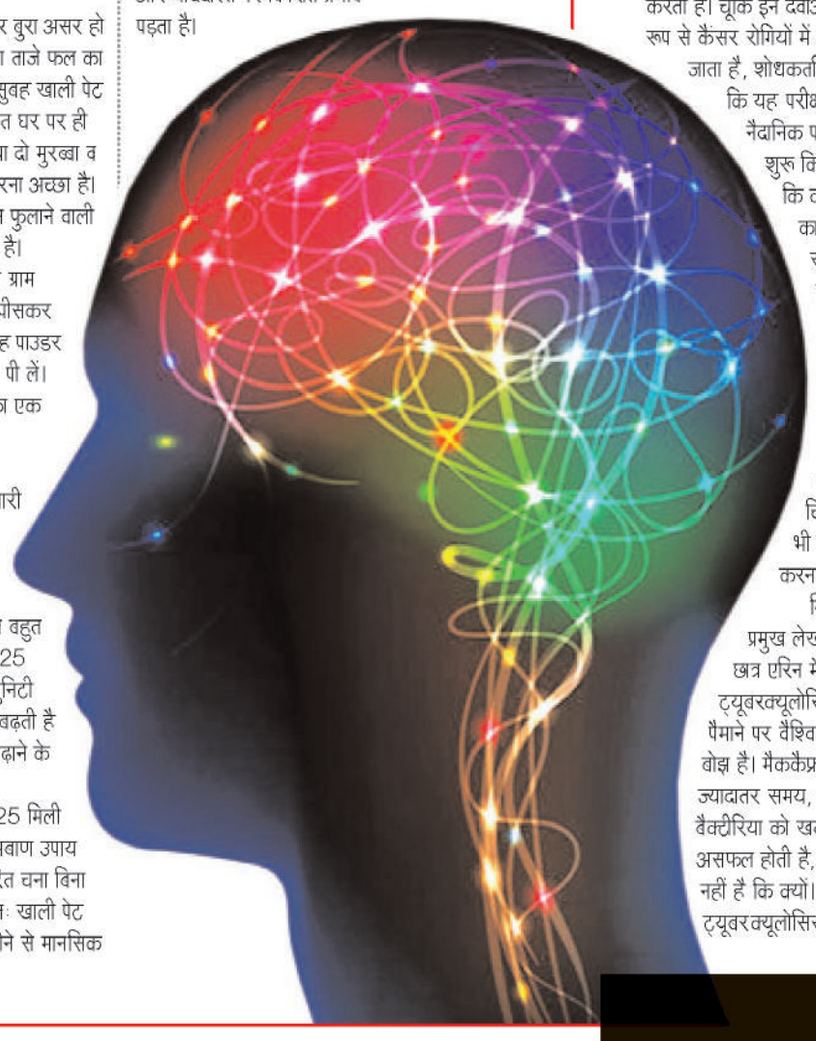

टीबी और कैंसर के बीच के संबंध का पता लगाया

■ लंदन (आईएएनएस)।

शोधकर्ताओं ने टीबी और कैंसर के बीच एक अप्रत्याशित संबंध का पता लगाया है, जिससे वैश्विक स्तर पर हर साल 1.5 मिलियन से अधिक लोगों की जान लेने वाले जीवाणु रोग के लिए नई दवा का उपचार हो सकता है। स्टैनफोर्ड मेडिसिन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि सक्रिय ट्यूबरक्यूलोसिस से संक्रमित वाले लोगों के फेफड़ों में ग्रेन्युलोमा नामक घाव प्रोटीन से भरे होते हैं जो कैंसर कोशिकाओं या संक्रमण के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कम करने के लिए जाने जाते हैं। कुछ प्रकार की कैंसर की दवाए इन इम्यूनोसप्रेसिव प्रोटीन को लक्षित करती हैं। चूंकि इन दवाओं का व्यापक रूप से कैंसर रोगियों में उपयोग किया जाता है, शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि यह परीक्षण करने के लिए नैदानिक परीक्षण जल्दी से शुरू किए जा सकते हैं कि क्या वे संक्रमण का मुकाबला कर सकते हैं। ट्यूबरक्यूलोसिस दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है और विस्तारित एंटीबायोटिक चिकित्सा के साथ भी इसका इलाज करना मुश्किल है।

विश्वविद्यालय के प्रमुख लेखक और स्नातक छात्र एरिन मैककैफ्रे ने कहा, ट्यूबरक्यूलोसिस एक बड़े पैमाने पर वैश्विक स्वास्थ्य पर बोझ है। मैककैफ्री ने कहा, ज्यादातर समय, प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को खत्म करने में असफल होती है, लेकिन यह ज्ञात नहीं है कि क्यों। ट्यूबरक्यूलोसिस बैक्टीरिया की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को भी प्रभावित कर सकते हैं। तकनीक का उपयोग करते हुए, उन्होंने सक्रिय टीबी वाले 15 लोगों के फेफड़ों और अन्य ऊतकों में ग्रेन्युलोमा में इम्यूनोसप्रेसिव प्रोटीन के स्थान का मानचित्रण किया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में पैथोलॉजी के सहायक प्रोफेसर माइक एंजेलो ने कहा, हमने कैंसर के ट्यूमर की तुलना में अब तक देखे गए कुछ संकेतों को देखा। एंजेलो ने

शोध

■ सक्रिय ट्यूबरक्यूलोसिस से संक्रमित वाले लोगों के फेफड़ों में ग्रेन्युलोमा नामक घाव प्रोटीन से भरे होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं या संक्रमण के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कम करने के लिए जाने जाते हैं

नेचर इम्यूनोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा, यह ग्रैनुलोमा में प्रमुख इम्यूनोसप्रेसिव प्रोटीन की लगभग सार्वभौमिक उपस्थिति को इंगित करता है।

विशेष रूप से शोधकर्ताओं ने दो प्रोटीन- पीडी-एल 1 और आईडीओ 1 के उच्च स्तर को देखा, जो कैंसर के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को दबा सकते हैं और अक्सर ट्यूमर के ऊतकों में पाए जाते हैं। इन प्रोटीनों को अनुमोदित कैंसर दवाओं द्वारा लक्षित किया जाता है। जब मैककैफ्रे और एंजेलो ने टीबी से संक्रमित 1,500 से अधिक लोगों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया, तो उन्होंने पाया कि पीडी-एल1 का स्तर नैदानिक लक्षणों से संबंधित है। एंजेलो ने कहा, हमने रक्त में इन संकेतों के वास्तव में लगातार अपग्रेडेशन देखा, जो असफल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का प्रतीक है। उनका उपयोग सक्रिय रोग में रोग की प्रगति की भविष्यवाणी करने के लिए भी किया जा सकता है।

उच्च रिजॉल्यूशन की अल्ट्रासाउंड छवि देने वाली नई तकनीक विकसित

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के अनुसंधानकर्ताओं ने एक नई तकनीक विकसित की है जो पुनर्निर्मित अल्ट्रासाउंड छवि के माध्यम से एक स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाला दृश्य उपलब्ध करा सकता है। इस अनुसंधान से बीमारियों के बेहतर निदान, सूक्ष्म विसंगतियों का पता लगाने और बेहतर सटीक छवि-निर्देशित बायोप्सी प्रक्रियाओं तथा उपचार निगरानी उपकरणों को मदद मिल सकती है। मानव शरीर के अदर उसी समय की छवियों के लिए 'अल्ट्रासाउंड इमेजिंग' तकनीक का उपयोग किया जाता है। तकनीक का व्यापक रूप से अंदरूनी अंगों में दर्द, सूजन और संक्रमण के कारण का पता लगाने तथा गर्भवती महिलाओं में भ्रूण की जांच करने के लिए उपयोग किया जाता है।

अल्ट्रासाउंड मशीन का मुख्य घटक एक 'बीमफॉर्मर' होता है, जो अंतिम पुनर्निर्मित छवि की गुणवत्ता में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। वर्षों से बीमफॉर्मर को बदलकर पुनर्निर्मित छवि की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कई तकनीक की पहचान की गई है। टीम ने एक नई बीमफॉर्मिंग तकनीक विकसित करने का दावा किया है, जो अन्य मौजूदा तकनीक से बेहतर प्रदर्शन करता है और सर्वोत्तम रिजॉल्यूशन वाली छवि उत्पन्न करता है। टीम के अनुसंधान के निष्कर्ष पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुए हैं।

एप्लाइड मैकेनिक्स विभाग, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर अरुण के थिट्टाई ने एजेंसी को बताया, 'यह अनुसंधान संभावित रूप से कई अनुप्रयोगों को सहायता प्रदान कर सकता है। रोगों का जल्द पता लगाना और उनके बेहतर निदान, गुर्दे की पथरी जैसी मानव शरीर के भीतर छोटी असामान्यताओं का पता लगाना, बेहतर वास्तविक समय की छवि-निर्देशित बायोप्सी प्रक्रियाएं और उपचार निगरानी अनुप्रयोग में मदद मिलेगी।'

डिले एंड सम (डीएएस) बीमफॉर्मर हार्डवेयर की सुगमता के कारण वाणिज्यिक प्रणालियों में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली अल्ट्रासाउंड इमेजिंग तकनीक है। हालांकि, इसमें कम रिजॉल्यूशन होता है। आईआईटी मद्रास के एक रिसर्च स्कॉलर अनुदीप वाययती ने कहा, 'हमने फिल्टर्ड डिले संबंधी एक नई तकनीक विकसित की है जो मौजूदा तकनीकों की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाली छवियां प्रदान करेगा।'

■ आईआईटी, मद्रास का शोध

■ इस अनुसंधान से बीमारियों के बेहतर निदान, सूक्ष्म विसंगतियों का पता लगाने और बेहतर सटीक छवि-निर्देशित बायोप्सी प्रक्रियाओं तथा उपचार निगरानी उपकरणों को मदद मिल सकती है

फिल्म स्टैंड अप राहुल को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

हैदराबाद (आईएएनएस)। राज तरुण और वर्षा बोलम्मा की नई रोमांटिक-कॉमेडी 'स्टैंड अप राहुल' जल्द ही रिलीज होने वाली है। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म सेंसर बोर्ड से पास हो गई है। इससे पहले रविवार को 'स्टैंड अप राहुल' के निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म को इसकी भव्य रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है। नए संतो मोहन वीरंकी द्वारा निर्देशित, फिल्म स्टैंड अप राहुल एक फील-गुड रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें मुख्य जोड़ी एक ऐसी भूमिका निभाएगी जो लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला करता है। इस फिल्म में वेनेला किशोर, देवी प्रसाद, मधुरिमा और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

पुलकित सम्राट ने फुकरे 3 की शूटिंग शुरू की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आने वाली फिल्म फुकरे 3 की शूटिंग शुरू कर दी हैं। पुलकित सम्राट स्टारर 'फुकरे 3' की शूटिंग शुरू हो गई है। इस बात की जानकारी पुलकित सम्राट ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने लिखा कि 'फुकरे 3' आपकी सेवा में। गौरतलब है कि फिल्म फुकरे 3 को मृगदीप सिंह लांबा निर्देशित कर रहे हैं। इसमें पुलकित के अलावा ऋचा चड्ढा, पकंज त्रिपाठी, वरुण शर्मा भी नजर आएंगे।

'चिरु154' फिल्म में नजर आएंगे रवि तेजा- चिरंजीवी

हैदराबाद (आईएएनएस)। टॉलीवुड में 'मास महाराजा' के नाम से मशहूर अभिनेता रवि तेजा जल्द ही मेगास्टार चिरंजीवी के साथ नजर आएंगे। चिरंजीवी, जो इस समय कुछ फिल्मों के साथ व्यस्त हैं, अपनी अनटाइटल्ड आगामी फिल्म 'चिरु154' में दिखाई देंगे। रवि तेजा फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अभिनेता रवि तेजा फिल्म में चिरंजीवी के भाई के रूप में दिखाई देंगे। याद करने के लिए रवि तेजा और चिरंजीवी को 'अन्नय्या' नामक फिल्म में एक साथ देखा गया था, जिसमें सौंदर्या, वेंकट, कोटा श्रीनिवास राव और उत्तेज मुख्य भूमिकाओं में थे। अस्थायी रूप से 'चिरु154' शीर्षक से इसमें 'गब्बर सिंह' की अभिनेत्री श्रुति हासन हैं, जो चिरंजीवी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। देवी श्री प्रसाद, जिन्हें वर्तमान में अपने 'पुष्पा' एल्बम के लिए काफी प्रचार मिला है, को संगीत देने के लिए अनुबंधित किया गया है।

'बच्चन पांडे' का गाना 'बेवफा' रिलीज

मुंबई (आईएएनएस)। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'बच्चन पांडे' के गाने 'सारे बोलो बेवफा' ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। गाने में अरोसा खान हैं, जिनके डांस नंबर ने कई लोगों का ध्यान खींचा। एक सूत्र ने बताया कि सारे बोलो बेवफा गाने की सफलता के बाद अरूसा खान एक सनसनी बन गई हैं। लोग उनके आत्मविश्वास और सहज नृत्य कौशल की प्रशंसा कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिस दिन उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'बच्चन पांडे' साइन की, उसी दिन उन्होंने अपनी कानून की डिग्री प्राप्त की थी। 'सारे बोलो बेवफा' एक्ट्रेस अरोसा खान साजिद नाडियाडवाला की 'बच्चन पांडे' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित, 'बच्चन पांडे' में कृति सेनन, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा, अभिमन्यु सिंह और जैकलीन फर्नांडीज सहित एक प्रतिभाशाली कलाकारों की टुकड़ी हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फिल्म 18 मार्च को सिनेमाघरों में आने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हिंदी दर्शकों पर फोकस कर रहे हैं 'पुष्पा-2' के मेकर्स

हैदराबाद (आईएएनएस)। 'पुष्पा' के निर्माता जल्द ही सबसे लोकप्रिय फिल्म के सीक्वल की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। खबर है कि निर्माता स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं, जो उत्तर भारतीय दर्शकों पर अधिक प्रभाव पैदा करे। निर्देशक ने 'पुष्पा द रूल' के लिए स्क्रिप्ट के काम को संशोधित करना शुरू कर दिया है। उन्होंने संकेत दिया है कि एक बड़ा प्रभाव पैदा करने के लिए स्क्रिप्ट को एक तरह से पॉलिश किया जाएगा। 'पुष्पा' एक क्षेत्रीय फिल्म है, जिसने अंततः दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अपील की। पहले भाग के बाद सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट में छोटे बदलाव किए जा रहे हैं। खैर, अल्लू अर्जुन, सुकुमार और उनकी टीम 'पुष्पा-2' की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार है। यह बताया गया है कि फिल्म के दूसरे भाग में अल्लू अर्जुन के तेजतर्रार पक्ष को दर्शाया जाएगा, क्योंकि वह फिल्म में चंदन की तस्करी की दुनिया पर राज करता है। श्रीवल्ली के रूप में रश्मिका मंदाना के साथ दूसरे भाग में अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

महेश बाबू लॉन्च करेंगे 'मिशन इम्पॉसिबल' का ट्रेलर

हैदराबाद (आईएएनएस)। अभिनेत्री तापसी पन्नू की आगामी फिल्म मिशन इम्पॉसिबल जल्द रिलीज के लिए तैयार है। टॉलीवुड सुपरस्टार महेश बाबू, जो अगली बार सरकारू वारी पाता में दिखाई देंगे, वे मिशन इम्पॉसिबल के ट्रेलर का अनावरण करेंगे। यह बताया गया है कि निर्माताओं ने प्रचार के एक हिस्से के रूप में फिल्म के नाटकीय ट्रेलर का अनावरण करने के लिए मुरारी अभिनेता से संपर्क किया था। महेश बाबू द्वारा 15 मार्च को 'मिशन इम्पॉसिबल' के ट्रेलर को रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने अपनी सोशल मीडिया वेबसाइटों के माध्यम से इसकी जानकारी दी। युवा फिल्म निर्माता स्वरूप आरएसजे द्वारा निर्देशित फिल्म मिशन इम्पॉसिबल मैटिनी एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस की गई है।

एआईएमआईएम प्रत्याशियों ने सपा को पहुंचाया नुकसान, भाजपा को मिला सीधा फायदा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा की जीत में सबसे ज्यादा अप्रत्यक्ष रूप से फायदा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने पहुंचाया है। ओवैसी की पार्टी यहां खाता खोलने में कामयाब नहीं रही। अक्सर 'भाजपा की बी टीम' होने का आरोप झेलने वाली ओवैसी की पार्टी के 95 में से 94 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। हालांकि, कई सीटों सपा की हार और बीजेपी की जीत के लिए ओवैसी की पार्टी को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। इन सीटों पर बेहद कम मार्जिन से बीजेपी प्रत्याशियों को जीत मिली है। आंकड़ों पर गौर करें तो कम से कम 8 सीटों पर ओवैसी की पार्टी ने सपा की पतंग काट दी।

एआईएमआईएम ने उत्तर प्रदेश की 95 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक पर भी जीत नहीं मिली। आजमगढ़ की मुबारकपुर सीट को छोड़कर दें तो 94 सीटों पर प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। एआईएमआईएम को 4.51 लाख वोट मिले जो वोट प्रतिशत के हिसाब से 0.49 फीसदी थे। ओवैसी ने यूपी में ताबड़तोड़ रैलियां की तो इस दौरान उनके काफिले पर गोली भी चल गई।

मुरादाबाद नगर सीट पर भाजपा प्रत्याशी रितेश कुमार गुप्ता ने समाजवादी पार्टी के मोहम्मद युसूफ अंसारी को 782 वोट से हराया। यहां एआईएमआईएम उम्मीदवार वाकी रशदी को 2661 वोट मिले। बाराबंकी की कुर्सी सीट पर भाजपा उम्मीदवार सकेंद्र प्रताप को 217 वोटों से जीत मिली, जबकि यहां एआईएमआईएम के कुमैल अशरफ खान को 8541 वोट मिले। चुनाव से ठीक पहले योगी सरकार से इस्तीफा देकर सपा में शामिल हुए धर्म सिंह सैनी को भी सहारनपुर की नकुड़ सीट पर करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। यहां भाजपा के मुकेश चौधरी ने 315 मतों के अंतर से हराया। एआईएमआईएम प्रत्याशी को इस सीट पर 3,593 वोट मिले। जौनपुर की शाहगंज सीट पर सपा के शैलेंद्र यादव 719 वोट से हार गए, यहां एआईएमआईएम उम्मीदवार नायब अहमद खान को 8128 वोट मिले।

बिजनौर सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुची ने रालोद के नीरज चौधरी को 1,445 वोट से हराया। यहां ओवैसी के प्रत्याशी मुनीर अहमद को 2,290 वोट मिले। सुल्तानपुर की इसौली सीट पर एआईएमआईएम को 3308 वोट मिले। जबकि जीत का अंतर सिर्फ 269 वोट का था। सुल्तानपुर सदर सीट पर भाजपा प्रत्याशी ने सपा उम्मीदवार अनूप सांडा को 1009 वोट से हराया। यहां एआईएमआईएम के मिर्जा अकरम बेग को 5,251 वोट मिले। भदोही की औराई सीट पर भाजपा 1,647 वोटों से जीती, यहां एआईएमआईएम के तेधाई को 2,190 वोट मिले।

कई सीटों पर बेहद कम अंतर से हारी सपा- भाजपा गठबंधन ने जहां 273 सीटों पर जीत हासिल की है तो सपा गठबंधन को 125 सीटों से संतोष करना पड़ा। 10 सीट ऐसी हैं जहां सपा की हार जीत का अंतर 200 से 1000 के बीच था। 17 सीटें ऐसी थीं जहां हार का अंतर 1 हजार से 5 हजार के बीच था। 33 सीटें ऐसी थीं जहां हार का अंतर 5 हजार से 10 हजार के बीच था।

यूपी में जीत के बाद मंत्रिमंडल गठन को लेकर काफी सचेत है भाजपा

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में जीत के बाद मंत्रिमंडल के गठन को लेकर भाजपा काफी सचेत है। प्रदेश स्तर पर चल रही समीक्षा के खास बिंदु हैं कि भाजपा को एकतरफा जीत कहां और किन कारणों से मिली तो कमजोर प्रदर्शन वाली सीटों या क्षेत्र के लिए किन बातों को जिम्मेदार माना जाए। यह सारी कसरत 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की जा रही है। यह तो परिणाम में सामने आ ही चुका है कि तीनों कृषि कानून के खिलाफ किसान आंदोलन का यूपी चुनाव में असर डालने के भरपूर प्रयास के बावजूद पश्चिम यूपी में भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। बुंदेलखंड और अवध में भगवा खेमा फिर मजबूत रहा, जबकि काशी और गोरखपुर की सभी सीटें जीतने के बावजूद बाकी पूर्वी उप्र में सपा मजबूत नजर आई।

ऐसे में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण भाजपा इस तरह से साधना चाह रही है कि जहां जनता ने भरपूर समर्थन दिया है, वहां के विधायकों को मंत्रिमंडल में प्राथमिकता देकर लोकसभा चुनाव

के लिए सहेजे रखा जाए। वहीं, जहां पार्टी को ज्यादा संघर्ष करना पड़ा है, वहां स्थिति को बेहतर करने के लिए विधायकों को मंत्री बनाकर सकारात्मक संदेश दिया जाए। क्षेत्र के साथ ही यही दृष्टिकोण जातियों के समीकरण पर भी है। ऐसे में तमाम आशंकाओं और विरोधी प्रयासों को नजरअंदाज कर भाजपा के साथ आए जाट समुदाय को भाजपा खुश करना चाहेगी। बड़ी जीत दिलाने वाले पश्चिम यूपी के गुर्जर नजर में हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग प्रदेश में सबसे बड़ी ताकत हैं तो इस बार दलित ने भी भाजपा का खूब दमखम बढ़ाया है। पार्टी से भाजपा की नाराजगी की बात परिणामों ने खारिज कर दी। ऐसे में मंत्रिमंडल के गठन से 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संदेश देना लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से बहुत जरूरी माना जा रहा है। गत दिवस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल की बैठक में इस पर होमवर्क भी किया गया।

मंत्रिमंडल में भागीदारी के लिए बेकरारी: मैनपुरी के दोनों भाजपा विधायकों ने लखनऊ में डाला डेरा

मैनपुरी। विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद प्रदेश में सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि होली के बाद योगी आदित्यनाथ दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल में किसे स्थान मिलता है इस पर सबकी नजर है। मैनपुरी जिले से मंत्रिमंडल में भागीदारी को लेकर जीते हुए भाजपा विधायक और उनके समर्थकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं दोनों नवनिर्वाचित विधायक लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं। दरअसल जिले की चार विधानसभा सीटों में से मैनपुरी सदर और भोगांव सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। भोगांव सीट से जीते विधायक रामनरेश अग्निहोत्री के समर्थक इसलिए आश्वस्त हैं क्योंकि वह लगातार दूसरी बार जीतने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहले कार्यकाल में भी आबकारी मंत्री रहे हैं। ऐसे में समर्थकों का मानना है कि इस बार भी रामनरेश अग्निहोत्री के सिर पर मंत्री का ताज सजेगा।

वहीं दूसरी तरफ मैनपुरी सदर सीट से जीतकर आए जयवीर सिंह के समर्थकों का भी अपना गणित है। उनका मानना है कि दो बार से सपा के खाते में रही मैनपुरी सदर सीट को जयवीर सिंह ने फतह कर भाजपा का परचम लहराया है। वहीं पूर्व में भी वह दो बार प्रदेश में मंत्री रहे चुके हैं। ऐसे में हर किसी को उस दिन का इंतजार है जब दुविधा के बादल छटेंगे और स्थिति साफ हो जाएगी। जीत के बाद भाजपा के दोनों ही विधायकों ने लखनऊ में डेरा डाल रखा है। दस मार्च को परिणाम आए थे। अगले ही दिन 11 मार्च को तड़के ही भोगांव से विधायक चुने गए रामनरेश अग्निहोत्री लखनऊ चले गए थे।

आरएसएस ने बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को सुझाव देते हुए पारित किया प्रस्ताव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अनुसांगिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आमतौर पर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर ही अपनी राय रखी जाती है, लेकिन शायद यह पहला मौका है, जब उसने रोजगार के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया है। अहमदाबाद में तीन दिनों तक चली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में देश में बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें सरकार और समाज से अपील की गई है कि उन्हें साथ मिलकर एक ऐसा आर्थिक मॉडल तैयार करना चाहिए ताकि नौकरियां सृजित हो सकें। आरएसएस के प्रस्ताव में कहा गया कि कोरोना के बाद बदली स्थिति में यह और भी जरूरी हो जाता है कि रोजगार का तेजी से सृजन हो। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया। इस बैठक में मोहन भागवत समेत संघ के 1,200 पदाधिकारी मौजूद थे। यह बेहद खास है क्योंकि बीते 7 सालों में संघ की ओर से परिवार व्यवस्था, भाषा, राम मंदिर, बंगाल और केरल में हिंसा, हिंदू और मुस्लिमों की

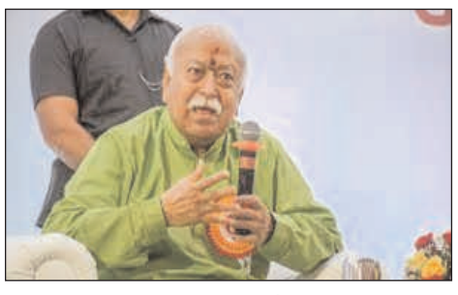

आबादी में बढ़ते असंतुलन जैसे मसलों पर ही प्रस्ताव पेश किए जाते थे। प्रस्ताव पेश करते हुए आरएसएस के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कोरोना के चलते लोगों की आजीविका पर भी संकट आया है। इसे दूर करने के लिए कुछ प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमने प्रस्ताव पारित किया है। हम भारत और उसके लोगों के सामर्थ्य के बारे में जानते हैं। हमें पता है कि किस तरह से हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। लेकिन इस पर अमल के लिए हमें कुछ प्रयास करने होंगे। यहां तक कि एग्रो बेस्ड और हैंडिक्राफ्ट जैसी चीजें भी देश में रोजगार के सृजन का माध्यम हो सकती हैं।' संघ ने अपने प्रस्ताव में रोजगार सृजन के लिए भारतीयता पर आधारित आर्थिक नीतियां लागू करने की भी बात कही है। प्रस्ताव में कहा गया है, 'हमने देखा है कि कैसे पलायन के चलते चुनौतियां खड़ी होती हैं। ऐसे में हमें स्थायी विकास के मॉडल की जरूरत है। हम चाहते हैं कि विश्वविद्यालय, छोटे बिजनेस और सामाजिक संगठन साथ में आकर इस समस्या को दूर करने के लिए साझा प्रयास करें।'

होली के बाद गैंगस्टरों की संपत्ति होगी जब्त एडीजी ने आठ जिलों के एसएसपी को दिए निर्देश

आगरा। विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद एक तरफ जहां सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई, वहीं दूसरी तरफ पुलिस भी एक्शन में आ गई है। होली पर विवाद करने वालों से सख्ती से निपटने की तैयारी कर ली गई है। वहीं गैंगस्टरों की संपत्ति को चिह्नित किया जा रहा है। होली के बाद संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई होगी। जनता की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। एडीजी जोन राजीव कृष्ण ने इस संबंध में आगरा समेत आठ जिलों के एसएसपी को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। एडीजी राजीव कृष्ण ने बताया कि चुनाव बाद होली पड़ रही है। ऐसे में लोग अपनी रंजिश निकाल सकते हैं। इसको लेकर पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। शहर से लेकर देहात तक किसी तरह का विवाद नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस ऐसा करने वालों से सख्ती से निपटेगी। इसके लिए दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। शांति कमेटी की बैठक भी कराई जा रही हैं। उधर, चिह्नित माफियाओं के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। पिछले दिनों गैंगस्टर एक्ट के भी मुकदमे लिखे गए हैं। आरोपियों की संपत्ति को चिह्नित किया जा रहा है। इनकी संपत्ति को जब्त किया जाएगा। इसके लिए प्रशासन को जल्द रिपोर्ट भेजी जाएगी। इसके बाद प्रशासन की ओर से निर्णय लिया जाएगा। जमीनों पर कब्जे, छेड़छाड़, अवैध वसूली की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई होगी। थानों और पुलिस अधिकारियों के कार्यालय में आने वाली जनता की शिकायतों के भी त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं।

रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स के दिल्ली, यूपी, सहित देश के 45 ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

नोएडा। रियल एस्टेट की मशहूर कंपनी डेवलपर ओमैक्स ग्रुप पर आयकर विभाग की टीमों ने सोमवार सुबह दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत देशभर में करीब 45 ठिकानों पर छापेमारी की हैं। ओमैक्स बिल्डर पर टैक्स चोरी का आरोप है। बताया जा रहा है कि नोएडा के सेक्टर-62 और 93 में भी छापेमारी जारी है। चंडीगढ़ आयकर विभाग द्वारा की जा रही इस छापेमारी में कई स्थानों की आयकर विभाग की टीमों की मदद ली गई है। दिल्ली-एनसीआर में 20 स्थानों के साथ ही देशभर में 45 जगहों पर सुबह सात बजे से ही छापेमारी चल रही है। अब तक की जानकारी के अनुसार, नोएडा में तीन, गुरुग्राम में तीन, गाजियाबाद में एक, चंडीगढ़ में चार, लुधियाना में तीन, लखनऊ में पांच, इंदौर में चार स्थानों पर तलाशी जारी है। ओमैक्स बिल्डर का हेड ऑफिस दिल्ली के कालकाजी में है।

योगी आदित्यनाथ के सूबे की कमान संभालते ही बुजुर्ग महिलाएं सरकारी बसों में कर सकेंगी मुफ्त यात्रा

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर योगी आदित्यनाथ एक बार सूबे की कमान संभालने जा रहे हैं। ऐसे में फिर से मुख्यमंत्री पद को संभालने से पहले ही संकलप पत्र में किए वादों को धरातल पर उतारने की कवायद शुरू कर दी है। बता दें कि योगी ने चुनाव से पहले वादा किया था कि सत्ता में वापसी के बाद 60 से ऊपर की बुजुर्ग महिलाओं को रोडवेज की बसों में फ्री यात्रा की सुविधा मिलेगी। जिसके चलते अब बुजुर्ग महिलाओं को रोडवेज की बसों में फ्री यात्रा कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

योजना को धरातली रूप देने के लिए सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन ऐसी महिलाओं का डाटा तैयार करें जिनकी उम्र 60 से अधिक है। यह रिपोर्ट सोमवार 11 बजे तक सौंपनी है। इस योजना के तहत बुजुर्ग महिलाओं को न सिर्फ साधारण सेवा बल्कि एसे बसों,

जैसे- जनरथ, वॉल्वो और स्कैनिया में भी फ्री यात्रा की सुविधा होगी। इतना ही नहीं बुजुर्ग महिलाओं को बस अड्डों पर भी विशेष सहूलियतें दिए जाने की योजना है। विभाग ने बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त में सफर करवाने के लिए शासन से 99 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से प्रतिपूर्ति का सुझाव दिया है। 99 रुपए जमा करने पर महीने भर फ्री यात्रा का सुझाव दिया गया है।

प्रमुख सचिव परिवहन राजेश कुमार सिंह ने गत शुक्रवार को अफसरों के साथ बैठक कर बुजुर्ग महिलाओं को फ्री यात्रा करवाने का निर्देश दिया था। इसके बाद प्रधान प्रबंधक (संचालन) ने क्षेत्रीय प्रबंधकों को एक सर्वे करवाने का निर्देश दिया था, ताकि यह पता चल सके कि रोजाना कितनी बुजुर्ग महिलाएं रोडवेज की बसों में सफर करती हैं। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग से भी पेंशनर्स की सूची मांगी गई है।

कार बेचने के नाम पर 1.32 लाख रुपए की ठगी

मैनपुरी। फेसबुक पर कार खरीद के लिए एक व्यक्ति से संपर्क होने के बाद युवक ने बताए गए खाता में 1.32 लाख रुपये डाल दिए, लेकिन बाद में पता चला कि वह ठगी का शिकार हो गया है। इसके बाद शिवसिंहपुर निवासी युवक ने ऑनलाइन शिकायत कर रुपये वापस कराए जाने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव शिवसिंहपुर का रहने वाला दुर्विजय सिंह एक कार खरीदना चाह रहा था। कुछ दिन पूर्व फेसबुक पर एक व्यक्ति से उसकी बातचीत हुई। वह कार बेचना चाह रहा था, जिसके बाद दुर्विजय ने फेसबुक पर दिए गए उसके नंबर पर कॉल कर संपर्क किया। उसके व्हाट्सएप पर व्यक्ति द्वारा कार के फोटो आदि डाले गए। कार पसंद आने के बाद 1.70 लाख रुपये में सौदा भी तय हो गया। उसने बताए गए अकाउंट नंबर में नौ मार्च को 1.32 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उक्त व्यक्ति से कार देने की बात कही तो उसने पूरे रुपये खाते में डालने के लिए कहा, तब दुर्विजय ने कहा कि कार लेने के समय वह पूरा हिसाब कर देगा।

महिला आईएएस ने पति पर प्रताड़ित करने का केस दर्ज कराया

लखनऊ। यूपी की एक महिला आईएएस अधिकारी ने अपने पति के खिलाफ शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का केस दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनका पति लगातार उन्हें फोन कर परेशान कर रहा है। वह उन्हें और उनकी बेटी को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी, गोमती नगर में रहने वाली आईएस शुभ्रा सक्सेना ने बताया कि 2003 में उनकी शादी शशांक गुप्ता से हुई थी। उनकी शाइना नाम की एक 9 साल की बेटी भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति शशांक ने उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों ने ही आपसी रजामंदी से जुलाई 2020 में अपने रास्ते अलग कर लिए। शुभ्रा के मुताबिक, तलाक के बाद शशांक ने उसकी बेटी का पीछा करना और उसे धमकाना शुरू कर दिया। दोनों के बीच बेटी के अधिकार को लेकर भी विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि 2 महीने पहले शशांक उनके लखनऊ स्थित घर आया था और उन्हें डराने की कोशिश की थी। इसके बाद उन्होंने शशांक के खिलाफ केस दर्ज कराया था। शुभ्रा ने आरोप लगाया है कि शशांक ने उसका पीछा करने के लिए 8 बाउंसर भेजे थे, जो उसकी लोकेशन पता लगाने की कोशिश कर रहे थे। शुभ्रा के मुताबिक शशांक की इन सभी हरकतों से परेशान होकर वह अपनी दोस्त और कानपुर की डीएम नेहा शर्मा के पास 5 मार्च को पहुंचीं। शुभ्रा ने नेहा को बताया कि उनका पूर्व पति उन्हें देर रात मैसेज कर परेशान कर रहा है। जब शुभ्रा ने मैसेज का कोई रिप्लाय नहीं दिया तो शशांक ने नेहा शर्मा के सरकारी नंबर पर फोन किया और उन्हें गालियां दीं। इसके बाद शुभ्रा ने शशांक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कोतवाली थाने के पुलिस इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू करवा दी है।

टेनी ने बताई यूपी में भाजपा की जीत की वजह

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत होने के बाद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने भाजपा की जीत के लिए सुशासन और कानून व्यवस्था बेहतर होने को वजह बताया है। अजय मिश्रा टेनी ने कहा, 'हम शुरूआत से ही कह रहे थे कि जिस तरह से पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में केंद्र और योगी की लीडरशिप में राज्य सरकार काम कर रही है, उसके चलते हम एक बार फिर से बहुमत में आएंगे। यदि उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहतर नहीं होती तो फिर हमें बहुमत हासिल नहीं होता। अजय मिश्रा टेनी लखीमपुर सीट से सांसद हैं और जिले की सभी 8 सीटों पर भाजपा को बड़ी जीत मिली है। इस नतीजे को लेकर माना जा रहा है किसान आंदोलन का असर चुनाव के नतीजों पर देखने को नहीं मिला है और इसी के चलते भाजपा को लोगों ने इतना बड़ा समर्थन दिया है। बता दें कि यूपी चुनाव में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा था।

पुनः भाजपा सरकार पर व्यवसायियों ने जताई प्रसन्नता

मऊ। विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को पुनः बड़ा में बहुमत प्राप्त होने पर व्यवसायियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया। इस दौरान व्यवसायियों द्वारा भारतीय जनता पार्टी आर्थिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लालबहादुर जायसवाल को माल्यार्पण कर बधाइयां दी गई। इस अवसर पर वैश्य समाज के लोगों

वैश्य समाज ने किया उपमुख्यमंत्री की मांग

द्वारा आगामी उत्तर प्रदेश सरकार में वैश्य समाज से एक उपमुख्यमंत्री चयन की मांग रखी गई। उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता व आगामी विधानसभा में लगभग 2 दर्जन से अधिक विधायकों के चुने जाने पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लालबहादुर जायसवाल ने कहाकि वैश्य समाज सदैव से भाजपा के साथ रहा है। पार्टी के स्थापना काल से अब तक बगैर किसी शर्त के अगर भाजपा के साथ कोई रहने वाला है तो वह वैश्य बिरादरी के लोग हैं। यह जीत एक बड़ा

महत्व रखती है। जायसवाल समाज सेवा समिति जिला महामंत्री श्रीराम जायसवाल ने कहाकि भाजपा की स्थापना काल से पार्टी के साथ बगैर किसी स्वार्थ के सदैव सहयोग देने वाला समाज वैश्य बिरादरी है। वही उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में 100 से अधिक विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां वैश्य मतदाताओं की संख्या 50000 से अधिक है। उसके बावजूद इस समाज ने कभी चुनाव पूर्व या चुनाव बाद किसी प्रकार की कोई शर्त नहीं रखी है। सदैव भाजपा के साथ रहना ही अपना दायित्व समझा है। ऐसे में आगामी सरकार में वैश्य समाज से एक उपमुख्यमंत्री चुना जाना वैश्यों का यथोचित सम्मान होगा। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल, कन्हैया लाल जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, पीयूष जायसवाल, संतोष जायसवाल, प्रदीप जायसवाल व हिमांशु जायसवाल इत्यादि उपस्थित रहे।

शांति भंग की आशंका में 17 व्यक्ति तथा 02 वारंटी धराए

मऊ। रविवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान शांति भंग की आशंका में थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा रामजनम चैहान, तुफानी निवासी जोटपुर, प्रदीप कुमार, मोती लाल, गुड्डू निवासीगण कस्बा दोहरीघाट, थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा अफरोज निवासी गाढ़ा, रविन्द्र कुमार निवासी ज्ञानपार दतौड़ा थाना हलधरपुर, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा नन्दन कुमार, प्रमोद पाल निवासीगण कबीराबाद थाना मुहम्मदाबाद, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा हैदर अब्बास निवासी क्यारीटोला, शिवम सिंह निवासी फतेहपुर थाना रानीपुर, दीपक सिंह निवासी रानीपुर थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर, संतोष पाण्डेय निवासी मनराठी थाना दोहरीघाट, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा राजेश यदाव, राजेश, अभिषेक, अशोक निवासीगण अस्सी भवन थाना रानीपुर जनपद मऊ को अन्तर्गत धारा 151 सीआरपीसी तथा वारंटी अभियुक्तगण थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा रमेश पुत्र डुक्कू निवासी चकसहजा थाना चिरैयाकोट, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा उमांशकर चैहान पुत्र राजेन्द्र निवासी जुडनपुर थाना मुहम्मदाबाद जनपद मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

पिछेती गेहूं की फसल पर मौसम की मार

मेंहनगर (आजमगढ़)। गेहूं की अगेती फसल तो पकने लगी है, लेकिन पिछेती फसल में अभी तक ठीक से बालियां भी नहीं निकल सकी हैं। धूप और पछुआ हवा के कारण फसल मुरझाने लगे हैं। मौसम की मार से बचने के लिए किसान सारे जतन कर रहे हैं। समय-समय पर पानी और यूरिया का छिड़काव कर रहे हैं, लेकिन प्राकृतिक नमी न मिलने से प्रभाव पड़ रहा है। समय के बाद गेहूं की बोआई करने वाले किसानों का मानना है कि अबकी बेहतर उपज मिलना मुश्किल है। घाघ की कहावत चरितार्थ साबित हो रही है कि आगे की खेती आगे-आगे पीछे की खेती भागे जोगे, जो आज देखने को मिल रहा है। अगेती गेहूं को किसान देखकर जहां खुश नजर आ रहे हैं, वहीं जो फसल पीछे से बोई गई हैं, उसमें अभी रेड़ा तक नहीं आया, फूटना तो दूर की बात है। तिलसड़ा गांव के 80 वर्षीय किसान रामाश्रय गिरी ने बताया कि जो गेहूं 15 से 30 नवंबर के मध्य बोया गया है वह बहुत ही बढ़िया है। जो गेहूं दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह के बाद बोया गया है, उस पर मौसम की मार का असर दिख रहा है। इसकी वजह से पैदावार बिल्कुल कम होगी। पिछेती गेहूं को धूप के साथ पछुआ हवा नुकसान पहुंचाएगा।

दूसरे दिन ही मिली जीत की सुगंध

जीत के लिए भारत को नौ विकेट और श्रीलंका को 419 रन की जरूरत, श्रीलंका ने 28 पर गंवाया एक विकेट

बेंगलुरु (एजेंसी)। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे डे-नाईट टेस्ट में रविवार को दूसरे दिन ही टीम इंडिया को जीत की सुगंध मिल गई। श्रीलंका को दूसरे पारी में जीत के लिए 447 रन का लक्ष्य मिला है, लेकिन उसने मात्र 28 रन पर ही एक विकेट गंवा दिया। इससे पहले श्रेयस अय्यर (67) और ऋषभ पंत (50) के शानदार अर्धशतकों से भारत ने अपनी दूसरी पारी दूसरे दिन अंतिम सत्र में नौ विकेट पर 303 रन पर घोषित की। अभी भी श्रीलंका को जीत के लिए 419 रन की जरूरत है। वहीं भारत को नौ विकेट की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह ने लाहिरू तिरिमाने को शून्य पर पगबाधा किया। स्टंप्स के समय कप्तान दिमुथ करुणारत्ने 10 और कुशल मेंडिस 16 रन बनाकर क्रीज पर थे। भारत ने उप कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (24 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका को 35.5 ओवर में 109 के स्कोर पर ऑलआउट कर 143 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत की दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा ने 46, हनुमा विहारी ने 35, पंत ने 31 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 50 रन, अय्यर ने 87 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 67 रन और रवींद्र जडेजा ने 22 रन बनाए। प्रवीण जयाविक्रमा ने 78 रन पर चार विकेट और लसिथ एम्बुलदेनिया ने 87 रन पर तीन विकेट लिए। इससे पहले श्रीलंका ने अपने के छह विकेट पर 86 रन के स्कोर के साथ खेल शुरू किया, लेकिन वह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया। भारत ने बुमराह और अश्विन की घातक गेंदबाजी से दिन के पहले ही सत्र में 5.5 ओवर में श्रीलंका के चार विकेट गिरा कर उसे 109 रन पर ऑलआउट कर दिया। दो विकेट बुमराह और दो रविचंद्रन अश्विन के नाम रहे। बुमराह ने इससे पहले तीन विकेट निकाले। इस तरह उन्होंने 10 ओवर में 24 रन पर कुल पांच विकेट लिए, जबकि अश्विन और मोहम्मद शमी ने दो-दो विकेट हासिल किए। अक्षर पटेल ने भी एक विकेट लिया।

पंत ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

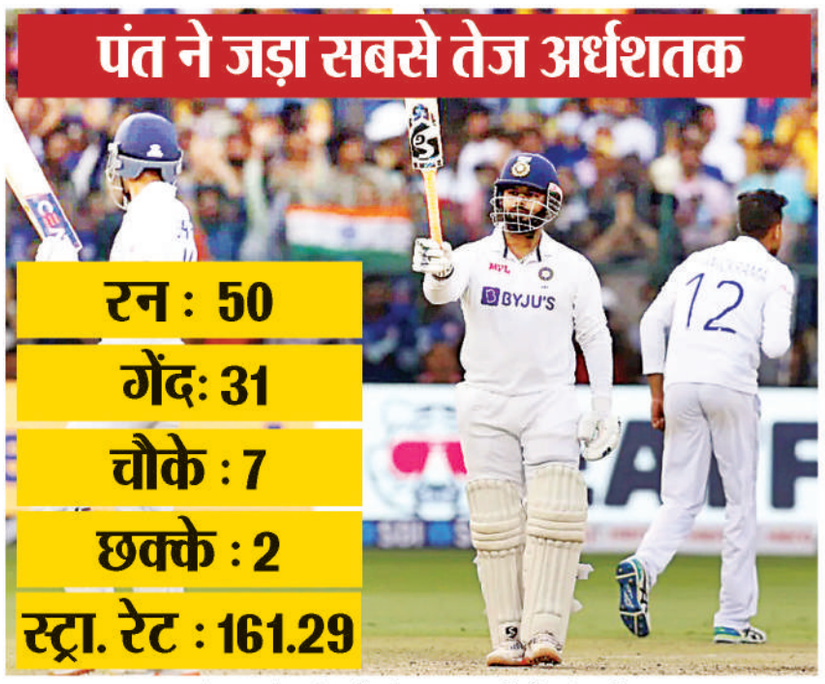

रन : 50
गेंद: 31
चौके : 7
छक्के : 2
स्ट्रा. रेट : 161.29

फैन्स ने कोहली के साथ खींची सेल्फी

भारत और श्रीलंका के बीच दिन-रात्रि के दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के अंतिम लम्हों में सुरक्षा में सेंध लगाकर तीन प्रशंसक मैदान पर घुस आए और उनमें से एक विराट कोहली के साथ सेल्फी खींचने में सफल रहा जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बाहर भगा दिया। यह घटना श्रीलंका की दूसरी पारी के छठे ओवर में हुई जब मोहम्मद शमी की गेंद लगने के बाद कुसाल मेंडिस उपचार करा रहे थे। स्टार खिलाड़ियों को करीब से देखने का मौका पाकर तीन प्रशंसक खेलने के स्थान पर घुस आए और खिलाड़ियों की तरफ दौड़ने लगे। इनमें से एक कोहली के करीब पहुंचने में सफल रहा जो स्लिप में क्षेत्ररक्षण कर रहे थे। प्रशंसक ने अपना मोबाइल निकाला और इस सीनियर बल्लेबाज से सेल्फी लेने के लिए कहा। प्रशंसक की खुशी का उस समय ठिकाना नहीं रहा जब कोहली सेल्फी के लिए राजी हो गए। सुरक्षाकर्मी इसके बाद खिलाड़ियों की ओर दौड़े और थोड़ी सी मश्कत के बाद प्रशंसकों को नियंत्रित करने में सफल रहे।

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी) 252

श्रीलंका पहली पारी (86/6 से आगे)	रन	गेंद	4/6
निरोशन कै. पंत बो. बुमराह	21	38	3/0
एम्बुलदेनिया कै. पंत बो. बुमराह	01	16	0/0
सुरंगा लकमल बो. अश्विन	05	09	1/0
प्रवीण जयविक्रमा नाबाद	01	01	0/0
विश्वा फर्नांडो स्टं पंत बो. अश्विन	08	08	1/0

अतिरिक्त: 01, कुल: 35.5 ओवर में 109, **विकेट पतन:** 7-95, 8-100, 9-100, 10-109 **गेंदबाजी:** बुमराह 10-4-24-5, अश्विन 8.5-1-30-2, शमी 6-1-18-2, जडेजा 6-1-15-0, अक्षर पटेल 5-1-21-1,

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
मयंक कै. धनंजय बो. एम्बुलदेनिया	22	34	5/0
रोहित शर्मा कै. मैथ्यूज बो. धनंजय	46	79	4/0
हनुमा विहारी बो. प्रवीण	35	79	4/0
विराट कोहली पगबाधा प्रवीण	13	16	1/0
ऋषभ पंत कै. एवं बो. प्रवीण	50	31	7/2
श्रेयस पगबाधा एम्बुलदेनिया	67	87	9/0
रवींद्र जडेजा बो. फर्नांडो	22	45	3/0
रवि अश्विन कै. डिकवेला बो. प्रवीण	13	25	1/0
अक्षर पटेल बो. एम्बुलदेनिया	9	10	1/0
मोहम्मद शमी नाबाद	16	08	2/1

अतिरिक्त: 10, कुल: 68.5 ओवर में 303/9 पारी घोषित, **विकेट पतन:** 1-42 , 2-98, 3-116, 4-139, 5-184, 6-247, 7-278, 8-278, 9-303 **गेंदबाजी:** सुरंगा लकमल 10-2-34-0, एम्बुलदेनिया 20.5-1-87-3, विश्वा फर्नांडो 10-2-48-1, धनंजय डीसिल्वा 9-0-47-1, प्रवीण जयाविक्रमा 19-2-78-4,

श्रीलंका दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
थिरिमाने पगबाधा बुमराह	00	03	0/0
करूणारत्ना नाबाद	10	13	2/0
कुसल मेंडिस नाबाद	16	26	3/0

अतिरिक्त: 02, कुल: 7 ओवर में एक विकेट पर 28 रन, **विकेट पतन:** 1-0, **गेंदबाजी:** बुमराह 3-1-9-1, शमी 3-0-13-0,अश्विन 1-0-4-0,

ऋषभ पंत ने कपिल देव का 40 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

दूसरे टेस्ट में ऋषभ पंत ने 28 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। इसी के साथ पंत भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने कपिल देव का 40 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। कपिल ने 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 30 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। पंत 31 गेंदों पर 50 रन बनाकर आउट हुए। भारत में टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वालों में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी टॉप पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 2005 में बेंगलुरु में 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से इंग्लैंड के इयान बॉथम और पंत हैं। बॉथम ने 1981 में भारत के खिलाफ 28 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ऋषभ पंत ने भारत के टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने के कपिल देव के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बधाई हो, ऋषभ।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

बल्लेबाज	खिलाफ	गेंद	वर्ष
ऋषभ पंत	श्रीलंका	28	2022
कपिल देव	पाकिस्तान	30	1982
शार्दुल ठाकुर	इंग्लैंड	31	2021
वीरेंद्र सहवाग	इंग्लैंड	32	2008

दूसरे दिन मैच के खास बिंदु

- बुमराह ने अपने करियर के 29वें टेस्ट में आठ बार पारी में पांच विकेट लिए। इस मामले में उन्होंने कपिल देव की बराबरी की। कपिल देव को छोड़कर किसी भी भारतीय गेंदबाज ने अपने पहले 29वें टेस्ट तक आठ बार पारी में पांच विकेट नहीं लिए थे। भारतीय जमीन पर बुमराह ने पहली बार पांच विकेट झटके।
- 2017 के बाद पहली बार विराट का टेस्ट औसत 50 के नीचे चला गया है। अगस्त, 2017 में उनके 60वें टेस्ट में आखिरी बार उनका औसत 50 से कम होकर 49.55 हुआ था।
- श्रेयस अय्यर टेस्ट करियर का तीसरा अर्धशतक लगते ही डे-नाइट टेस्ट की दोनों पारियों में 50 या उससे अधिक रन बनाने वाले भारत के पहले और दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने। इससे पहले डैरेन ब्रावो, स्टीवन स्मिथ और मार्नस लाबुशेन यह कमाल कर चुके हैं

खेलों पर मेहरबान शिवराज सरकार

खेल गतिविधियां बढ़ाने प्रदेश में कई जगह बनेंगे स्टेडियम

■ बालेन्द्र पाण्डेय

भोपाल। खेलों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी देश के साथ विश्व भर में नाम रोशन करें, इसके लिए शिवराज सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। हालही में पेश प्रदेश के बजट में सरकार ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिए राशि आवंटित की है।

इतना ही नहीं तहसील स्तर पर खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं मिल सके इसके लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके पीछे सरकार की मंशा छोटे शहरों में छिपी प्रतिभाओं को तरसना और उन्हें आगे बढ़ाना है। सरकार का लक्ष्य खिलाड़ियों को पूर्ण संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का कौशल दिखा सकें। बजट में सरकार ने खेलो इंडिया योजना के तहत भोपाल के नाथू बरखेड़ा में अंतरर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण एवं उपकरण क्रय के लिए कुल 176.59 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। यह स्टेडियम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा के अनुरूप तैयार किया जाएगा। जहां खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसके अलावा भी प्रदेश के अन्य शहरों में भी स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निर्माण होगा। इसके लिए हालही में पेश बजट में खेल विभाग के अंतर्गत बकायदा राशि मंजूर की जा चुकी है। सभी स्टेडियम के निर्माण के लिए अनुमानित लागत एक करोड़ रुपए से अधिक होगी। प्रदेश के बड़े शहरों इंदौर व ग्वालियर में स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निर्माण होगा। कटनी मुड़वारा में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जाएगा। वहीं नरसिंहपुर में वॉलीबाल, बैडमिंटन एवं अन्य खेलों के लिए इंडोर स्टेडियम बनेगा। हरदा के कमल पटेल, कृषि मंत्री मप्र शासन के विशेष प्रयास से टिमरनी नगर परिषद क्षेत्र में इंडोर स्टेडियम बनेगा, जबकि हरदा नगर में इनडोर स्टेडियम का निर्माण का प्रावधान किया गया है। होशंगाबाद इटारसी में सरकार एस्टोटर्फ और रायसेन की तहसील गैरतगंज में स्टेडियम का निर्माण करेगी। विदिशा जिले को भी बजट में खेल गतिविधियां बढ़ाने के लिए दो स्टेडियम की सौगात मिली है। विदिशा के गंजबासौदा में राजौदा रोड और ब्लॉक मुख्यालय नटेरन में खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसके सथ सागर के मकरोनिया, निवाड़ी के तरीचरकलां, छतरपुर के बक्स्वाहा में स्टेडियम का निर्माण होगा।

रीवा के गुढ़ को मिली स्टेडियम की सौगात

रीवा जिले के गुढ़ तहसील और माड़ा में सरकार ने स्टेडियम की सौगात दी है। स्टेडियम का निर्माण शासकीय सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुढ़ के पास किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने बजट में खेल विभाग के अंतर्गत एक करोड़ रुपए से अधिक की अनुमानित राशि स्वीकृत की है। गुढ़ भाजपा विधायक नागेन्द्र सिंह क्षेत्र में खेलों को प्रोत्साहन देने और क्षेत्रीय खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने लंबे समय से स्टेडियम के लिए प्रयासरत थे। उमरिया के करकेली नगर व नरवार नगर में स्टेडियम का निर्माण होगा, वहीं सीहोर नगर में टाउन हाल के पीछे स्टेडियम बनेगा, जबकि मंदसौर, पन्ना व नीमच में स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

इंडियन वेल्स: मेदवेदेव और नडाल जीते

इंडियन वेल्स। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहे रूसी खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने बीएनपी परिबास ओपन के दूसरे दौर में टॉमस मैकहैक को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

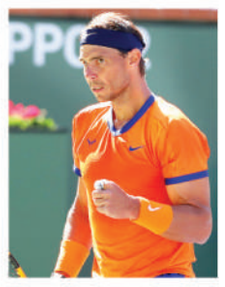

वहीं स्पेनिश स्टार राफेल नडाल को अपने मुकाबले में पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने अपने अभ्यास के जोड़ीदार सेबेस्टियन कोर्डा को करीब ढाई घंटे तक चले मैच में 6-2, 1-6, 7-6 से पराजित किया। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम जीतने वाले नडाल ने मेलबर्न और मेक्सिको में भी खिताब जीते हैं और अब वह यहां इंडियन वेल्स में चौथी ट्राफी हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। वहीं अन्य मुकबले में दर्शक की नस्लीय टिप्पणी से परेशान स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका को दूसरे दौर में रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। ओसाका को एकतरफा मुकाबले में सीधे सेट में 6-0, 6-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

केनो स्प्रीन्ट चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश ने जीते 24 स्वर्ण

भोपाल । मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित छोटी झील पर 10 से 13 मार्च तक खेली गई 32वीं राष्ट्रीय सीनियर एवं जूनियर केनो स्प्रीन्ट चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश ने 24 स्वर्ण, 22 रजत और 8 कांस्य सहित 54 पदक जीते। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यहां अंतिम दिन 200 मीटर रैस आयोजित की गई। इस रैस में म.प्र. के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक अर्जित किए। पुरस्कार वितरण मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने किया। मध्यप्रदेश की 47 सदस्यीय टीम में अकादमी के 28 खिलाड़ी शामिल थे। 200 मीटर रैस के मुकाबलों के सी-2 वूमेन स्पर्धा में कावेरी ढ़ीमर और नमिता चंदेल की जोड़ी ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। पुरूष वर्ग की के-1 स्पर्धा में देवब्रत सिंह ने रजत तथा के-2 स्पर्धा में अक्षित बारोई और विशाल दांगी की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की सी-4 स्पर्धा में नमिता चंदेल, कावेरी ढ़ीमर, अंजली बशिष्ट और नीतू वर्मा की चौकड़ी ने कांस्य पदक अर्जित किया। के-2 की मिक्स स्पर्धा में शिवानी वर्मा और सोनू वर्मा की जोड़ी ने तथा सी-2 मिक्स स्पर्धा में यशु व्ही. और बिनीता चानू की जोड़ी ने एक-एक रजत पदक अर्जित किया।

ऑस्ट्रेलिया की महिला विश्वकप 2022 में लगातार तीसरी जीत

न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 141 रन से हराया

वेलिंगटन । मैन ऑफ द मैच ऑलराउंडर्स एलिसे पेरी (68) और ताहलिया मैकग्राथ (57) के शानदार अर्धशतकों तथा एशले गार्डनर (48) की विस्फोटक पारी और फिर गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने यहां रविवार को 2022 महिला विश्व कप मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 141 रन से हराकर दिया।

ऑस्ट्रेलिया की टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है। ऑस्ट्रेलिया महिला की यह वनडे क्रिकेट में न्यूजीलैंड पर 100वीं जीत है और पुरुषों को पछाड़ते हुए ऐसा करने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। अभी तक पुरुष क्रिकेट में भी कोई टीम किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ 100 जीत नहीं दर्ज कर पाई है। इससे पहले कंगारुओं ने इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराया था। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर भी पहुंच गई है। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है। भारत चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य क्रम के बल्लेबाजों की शानदार पारियों के दम पर 50 ओवर में आठ विकेट पर 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम

ऑस्ट्रेलिया की घातक गेंदबाजी के आगे 30.2 ओवर में 128 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेरी (68) और ताहलिया (57) ने अर्धशतक जड़े। दोनों बल्लेबाजों ने एक-एक विकेट भी लिया। वहीं गार्डनर ने 18 गेंदों पर 48 रन की विस्फोटक पारी खेली। गेंदबाजी में डार्सी ब्राउन ने सात ओवर में 22 रन पर सर्वाधिक तीन, अमांडा वेलिंगटन और गार्डनर ने दो-दो तथा मेगन शट्ट ने एक विकेट लिया। न्यूजीलैंड की ओर से एमी सैटरथवेट ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। वहीं ली ताहुहु ने बल्लेबाजी में 23 रन और गेंद के साथ सर्वाधिक तीन विकेट भी लिए।

विंडीज पर धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम पर 12 मार्च को भारत के खिलाफ 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप मैच में धीमे ओवर रेट के लिए 40 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने कहा, आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के शांड्रे फ्रिट्ज ने वेस्ट इंडीज द्वारा निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके जाने के बाद टीम पर यह जुर्माना लगाया है। खिलाड़ियों और उनके व्यक्तिगत सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22, जो धीमे ओवर रेट से संबंधित है, के अनुसार अगर कोई टीम आवंटित समय में पूरे ओवर फेंकने में विफल रहती है तो उस पर प्रत्येक ओवर के हिसाब से 20 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है।

छह भारतीय मुक्केबाजों ने लगाया गोल्डन पंच

अम्मान। विनी, यक्षिका और विधि की अगुआई में छह भारतीय जूनियर मुक्केबाजों ने रविवार को जॉर्डन के अम्मान में एएसबीसी एशियाई एवं जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 गोल्डन पंच लगाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया।फ्लाइवेट 50 किग्रा के फाइनल में हिसार की मुक्केबाज विनी का सामना कजाकिस्तान की करीना टोकुबे से हुआ। भारतीय मुक्केबाज ने अच्छी शुरुआत की और पहले दौर में जीत हासिल की। लेकिन इसके बाद उसके प्रतिद्वंद्वी ने दूसरे दौर में मजबूती से वापसी की और तीसरे दौर में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया। विनी ने लगातार आक्रमण करते हुए 5-0 से एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया। यक्षिका (52 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की राखीमा बेकनियाजोवा के खिलाफ वापसी करने के लिए शानदार प्रयास किया। पानीपत की मुक्केबाज ने पहले दौर में काफी मुक्के खाए और वो 0-5 से पीछे चल रही थीं। यक्षिका ने दूसरे दौर में जोरदार वापसी की और स्कोर बराबर कर दिया। इसके उसने फिर से वापसी करते हुए 4-1 से जीत हासिल कर ली। विधि ने 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में जॉर्डन की आया सुविध के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज पूरे मुकाबले के दौरान खुद पर नियंत्रण रखा और प्रतिद्वंद्वी को अपनी शर्तो पर खेलने के लिए मजबूर कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी को शूट आउट में हराया

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जर्मनी से मिली हार के परिणाम को बदलते हुए मेहमान टीम को पेनल्टी शूट आउट में रविवार को 3-0 से हरा दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। जर्मनी ने पहले मैच में भारत को शूट आउट में 2-1 से हराया था। भारत ने इस जीत से बोनस अंक भी हासिल किया। भारत की नवनीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। जर्मनी ने फेलिसिया वीडरमैन के 29वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर किये गोल से बढ़त बनायी जबकि भारत के लिए निशा ने 40वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। इसके बाद कोई भी टीम विजयी गोल नहीं कर पायी। शूट आउट में भारत की तरफ से संगीता कुमारी, सलीमा टेटे और सोनिका ने गोल दागे जबकि जर्मनी के तीनों प्रयास विफल रहे।

कैरी शतक से चूके, ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 505 रन

कराची। उस्मान ख्वाजा की 160 रन की बेहतरीन शतकीय पारी और विकेटकीपर एलेक्स कैरी की 93 रन की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को आठ विकेट पर 505 रन का विशाल स्कोर बना लिया। ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 251 रन से आगे खेलना शुरू किया था। ख्वाजा ने 127 रन और नाथन लॉयन ने शून्य से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। ख्वाजा 369 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 160 रन बनाकर आउट हुए। लॉयन 38 रन बनाकर आउट हुए। कैरी ने 159 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 93 रन की शानदार पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया को 500 के पार पहुंचाया। कैरी को बाबर आजम ने आउट किया जब वह अपने शतक से मात्र सात रन दूर थे और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 503 रन था। पाकिस्तान की तरफ से फहीम अशरफ और साजिद खान ने दो-दो विकेट लिए।

झारखंड के लिए कुशाग्र ने जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2021-22 का प्री-क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम ने नागालैंड के खिलाफ दूसरे दिनका खेल समाप्त होने तक 9 विकेट खोकर 769 रन बना लिए हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। झारखंड के लिए विराट सिंह और शाहबाज नदीम का शतक जबकि कुमार कुशाग्र ने दोहरा शतक ठोका है। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 270 गेंदों में 37 चौके और 2 छक्कों की मदद से 266 रन बनाए, जबकि विराट सिंह ने 153 गेंदों में 13 चौके की मदद से 107 रन बनाए। इनके अलावा शाहबाज नदीम ने 223 गेंदों में 123 रन बनाए और वे दूसरे दिन के आखिर में नाबाद लौटे। माना जा रहा है कि झारखंड की टीम अब तीसरे दिन की सुबह नागालैंड की टीम को बल्लेबाजी के लिए न्योता देगी और अपनी पारी की घोषणा करेगी। हो भी सकता है कि आगे भी झारखंड बल्लेबाजी करे।

बोनर और होल्डर ने हारते हुए मैच को ड्रॉ कराया

नार्थ साउंड। ऑलराउंडरों नक्रमाह बोनर (38) और जेसन होल्डर (37) की अर्धशतकीय साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन शनिवार को दूसरी पारी में 70.1 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बना कर मैच ड्रॉ कराने मे सफल रहा। यह मैच ड्रॉ होने के साथ ही इंग्लैंड की टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में आखिरी स्थान पर पहुंच गई है। इंग्लैंड ने अब तक नौ मैच खेले हैं। इनमें से सिर्फ एक मैच में इंग्लैंड को जीत मिली है, जबकि छह में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दो मैच ड्रॉ हुए हैं। इंग्लैंड के पास कुल 10 प्वाइंट हैं और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में यह टीम नौवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की टीम इस अंकतालिका में 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। 64 रन पर चार विकेट खोने के बाद मैच पूरी तरह से वेस्टइंडीज के नियंत्रण से बाहर था और इंग्लैंड की जीत पक्की लग रही थी, लेकिन बोनर और होल्डर दोनों दीवार की तरह क्रीज पर खड़े रहे और दोनों छोर से कोई विकेट न खो कर हारता हुआ मैच ड्रॉ करा दिया।

फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने रोनाल्डो

रोनाल्डो के करियर की 59वीं हैट्रिक की बदौलत मैनचेस्टर यूनाइटेड ने टोटेनहम को 3-2 से हराया

लंदन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के करियर की 59 वीं हैट्रिक की बदौलत मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग में टोटेनहम हॉटस्पर को 3-2 से हरा दिया। इसके साथ ही मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अगले चैंपियंस लीग में खेलने की उम्मीदों को बरकरार रखा।

रोनाल्डो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। क्लब और देश को मिलाकर उनके अब कुल 807 गोल हैं। इस मामले में रोनाल्डो ने जोसेफ बिकन को पीछे छोड़ा। बिकन ने क्लब और देश के लिए किए गए गोल को मिलाकर 805 गोल दागे थे। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड समेत कई क्लबों के लिए खेल चुके रोनाल्डो के क्लब करियर की यह 49वीं हैट्रिक थी, जबकि 10 हैट्रिक उन्होंने देश के लिए खेलते हुए लगाई हैं। टोटेनहम के खिलाफ हैट्रिक के वक्त रोनाल्डो की उम्र 37 साल 35 दिन की रही। वह प्रीमियर लीग इतिहास में हैट्रिक गोल दागने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मामले में पहले नंबर पर टेड्डी शेरिंघम हैं, जिन्होंने अगस्त 2003 में 37 साल 146 दिन की उम्र में हैट्रिक गोल दागे थे। वहीं, रोनाल्डो 37 साल से ज्यादा की उम्र में किसी प्रीमियर लीग मैच में एक से ज्यादा गोल दागने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बन गए। इस मामले में पहले खिलाड़ी भी शेरिंघम थे। उन्होंने 37 साल की उम्र के बाद एक बार ऐसा किया था। वहीं, ग्राहम एलेक्जेंडर ने दो बार ऐसा किया था। टोटेनहम के खिलाफ मैच की बात करें तो इस जीत के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग में 400 मैच जीत लिए हैं। इस टूर्नामेंट में इतनी जीत हासिल करने वाली मैनचेस्टर यूनाइटेड पहली टीम है। इसमें से 23 जीत मैनचेस्टर ने टोटेनहम के खिलाफ हासिल की है। यह भी प्रीमियर लीग में किसी टीम के खिलाफ जीत के मामले में रिकॉर्ड है।

मैनचेस्टर के लिए 14 साल बाद हैट्रिक ली

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 14 साल दो महीने बाद हैट्रिक लगाई। इस क्लब के लिए पिछली हैट्रिक उन्होंने जनवरी 2008 में न्यूकासल के खिलाफ लगाई थी। प्रीमियर लीग इतिहास में किसी खिलाड़ी की दो हैट्रिक के बीच यह सबसे लंबा गैप है। रोनाल्डो ने 2008 में मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब छोड़ दिया था और पिछले साल ही दोबारा ज्वाइन किया है। टोटेनहम के खिलाफ रोनाल्डो ने 12वें, 38वें और 81वें मिनट में गोल दागा। 12वें मिनट में गोल दागते ही उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल की। रोनाल्डो ने अब अपने प्रोफेशनल करियर के फुटबॉल के 15-15 मिनट के सभी सेगमेन्ट में 100 से ज्यादा गोल दागे हैं। फुटबॉल 90 मिनट का खेल है।

फ्रेंच लीग में जीता पीएसजी

पेरिस। चैंपियन्स लीग में एक बार फिर लचर प्रदर्शन के बाद पीएसजी खिलाड़ियों नेमार और लियोनल मेसी को रविवार को घरेलू सरजमीं पर बोरडेक्स के खिलाफ फ्रेंच फुटबॉल लीग मुकाबले में 3-0 की जीत के दौरान दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। नेमार ने लीग वन में निचले पायदान पर चल रही बोरडेक्स के खिलाफ अपनी टीम पीएसजी का दूसरा गोल भी दागा लेकिन इस दौरान दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। मेसी को भी दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा।

डुप्लेसी बोले- मेरी और धोनी की कप्तानी के तरीके में काफी समानता है

बेंगलुरू। पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी की अगुआई करने को तैयार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के नव नियुक्त कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि उनके नेतृत्व का तरीका काफी कुछ कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी की तरह ही है। डुप्लेसी (37 वर्ष) 2012 से ही धोनी की अगुआई वाली चेन्नई सुपर किंग्स का अहम हिस्सा रहे हैं और वह राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिये भी खेले थे जो अब खत्म हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने फ्रेंचाइजी की वेबसाइट में कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मैं क्रिकेट में अपनी यात्रा में कुछ शानदार कप्तानों के साथ खेला। मैं ग्रीम स्मिथ के साथ खेलते हुए बड़ा हुआ जो दक्षिण अफ्रीका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ कप्तान हैं। उन्होंने कहा, और फिर 10 साल एमएस और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ, दोनों शानदार कप्तान। डुप्लेसी ने कहा, मुझे लगता है कि एमएस और मेरी कप्तानी के तरीके में समानता है क्योंकि हम दोनों ही बहुत शांत व्यक्तित्व वाले हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मेरे लिये दिलचस्प चीज है कि जब मैंने चेन्नई के साथ शुरूआत की थी तो दक्षिण अफ्रीका में कप्तानी संस्कृति को देखते हुए मुझे एमएस पूरी तरह से इसके विपरीत लगे थे।

30वें अंतर महाविद्यालय रोवर्स-रेंजर्स समागम का हुआ समापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के 30 वे अंतर महाविद्यालय रोवर्स-रेंजर्स समागम में प्रतिभाग करते हुए राजकीय महिला पीजी कॉलेज की प्रज्ञा रेंजर टीम ने रेंजर्स वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय की इंदिरा गांधी रेंजर टीम द्वितीय स्थान पर रही। विदित हो कि यह समागम 11 व 12 मार्च को पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ। समागम के समापन सत्र के मुख्य अतिथि पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र कुमार पांडेय एवं हीरालाल यादव सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त वाराणसी मंडल रहे। प्रज्ञा रेंजर टीम के प्रभारी डॉ. शिव कुमार, लीडर सविता रावत तथा उप लीडर जयति जैन ने अतिथियों से विजेता शील्ड प्राप्त किया। समागम में रेंजर्स के अंतर्गत राजकीय महिला कॉलेज के अलावा पीजी कॉलेज, राजकीय महाविद्यालय सैदपुर, स्वामी सहजानंद महाविद्यालय, गोपीनाथ पीजी कॉलेज देवली सलामतपुर की टीम ने प्रतिभाग किया। समागम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें मार्च- पास्ट, पोस्टर, क्विज, निबंध, प्राथमिक सहायता, टेण्ट -पुल निर्माण एवं दल अभिलेख में राजकीय महिला पीजी कॉलेज की प्रज्ञा रेंजर टीम प्रथम स्थान पर रही। जबकि व्याख्यान, लोकगीत, नाटक प्रस्तुति, कलर पार्टी और रोल प्ले, स्किल ओ रामा एवं झांकी में टीम द्वितीय स्थान पर रही। क्विज में कुमारी कविता का, व्याख्यान में सौम्या मिश्रा का, पोस्टर प्रतियोगिता में जेबा जरीन एनम तथा रोलप्ले में जयति जैन का प्रदर्शन सराहनीय रहा। विभिन्न देवी-देवताओं और त्योहारों पर आधारित महाविद्यालय की रेंजर झांकी देखते ही बनती थी। विजेता सभी छात्राओं को आयोजक प्राचार्य एवं जनपद रोवर-रेंजर संयोजक डॉ मनोज कुमार मिश्र द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश सिंह यादव जिला संगठन आयुक्त द्वारा किया गया। विजेता छात्राओं के हर्षोल्लास के साथ महाविद्यालय पहुंचने पर महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सविता भारद्वाज, संयुक्त निदेशक एवं सहायक निदेशक उच्च शिक्षा प्रयागराज तथा समस्त उपस्थित महाविद्यालय परिवार ने करतल ध्वनि से स्वागत किया एवं प्रज्ञा रेंजर्स एवं टीम प्रभारी को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया।

सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ आयोजन

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय क्षेत्र के रामनवल सिंह स्मारक पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन का आयोजन रविवार को किया गया। जिसका शुभारंभ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने विद्यालय परिसर की साफ सफाई किया। तथा संस्कृति कार्यक्रम में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, लोकगीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के बीपीएड विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डा. चंद्रभान सिंह तथा कार्यक्रम अधिकारी डा. स्वर्ण सिंह ने किया। शिविर में स्वयं सेवक व सेविकाओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, हास्य-व्यंग्य, लोक गीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर में कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र प्रताप यादव, ने किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित डा. सुरेश राम, संजय कुमार मिश्र, सदाशिव प्रताप, डा. धनंजय सिंह, वासुदेव प्रसाद मधुकर, जय प्रकाश राम, नजरें आलम, मासूम सिंह, अंजलि सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

वाहन का लाइसेन्स व इंश्योरेंस प्रस्तुत न करने पर कारावास की सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रत्युष प्रकाश की अदालत ने सोमवार को मोटर वैकिल एक्ट के मुकदमे में वाहन का लाइसेन्स व इंश्योरेंस न्यायालय के सामने प्रस्तुत न करने के मामले में नन्दगंज थाना के दवोपुर निवासी रमेश यादव पुत्र सूबेदार यादव को 4 दिन की कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार आरोपी के वाहन के जांच पर आरोपी द्वारा वाहन सम्बन्धित कोई कागजात न दिखाने पर थाना करण्डा की पुलिस ने चालान करके वाहन को सीज कर दिया था। जिसके लिए आरोपी ने न्यायालय में अपने वाहन को मुक्त कराने के लिए आवेदन दिया। आवेदन के साथ वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र के अलावा कोई और कागजात पेश नही कर पाया और अर्थदंड जमा करने में असमर्थता जाहिर किया। न्यायालय में पूछे जाने पर अपना जुर्म कबूल किया, जिस पर न्यायालय ने उपरोक्त फैसला सुनाया।

रोडवेज में बिना बुक किए ढोए जा रहे व्यावसायिक सामान

आजमगढ़। रोडवेज बसें यात्रियों के साथ अनबुक सामान ढोने का माध्यम बन गईं हैं। सरकार को चून लगाने वाला यह खेल बड़े पैमाने पर हो रहा है। ढिठाई इतनी के डिपो के अंदर भी सामान लादने में चालक-परिचालक गुरेज नहीं करते हैं। सबकुछ जानने के बाद भी जिम्मेदार आंख मूंदे तमाशा देख रहे हैं। रोडवेज बसों से सामान बुक कराकर एक से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए बाकायदा व्यवस्था की गई है। सामान के वजन के मुताबिक उसके किराये का निर्धारण होता है। यह धनराशि सीधा सरकारी खजाने में पहुंचती है। सामान बुक करने की जिम्मेदारी भी परिचालकों की होती है, लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है। सामान तो ढोए जा रहे, लेकिन उससे होने वाली कमाई सरकारी ख इसके लिए विधिवत कारोबारी से सेटिग होती है।

पक्की दीवार गिरने से मजदूर की मौत, एक घायल

बलरामपुर (आजमगढ़)। मेंहनगर थाना क्षेत्र के धन्नीपुर रानीपुर गांव में शुक्रवार की शाम एक निमार्णाधीन मकान में काम करते समय पक्की दीवार गिरने से एक मजदूर की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि दूसरा मजदूर घायल हो गया। देवगांव कोतवाली के बड़ागांव निवासी सर्वेश प्रजापति (28) पुत्र सुबेदार मेंहनगर थाना क्षेत्र के कड़सरा गांव निवासी बलिराम (40) के साथ प्रतिदिन की तरह धन्नीपुर रानीपुर स्थित एक व्यक्ति के निमार्णाधीन मकान में कार्य कर रहे थे। दोपहर में दीवार के बगल में दोनों सीढ़ी को तोड़ रहे थे तभी अचानक पक्की दीवार गिर गई जिसके मलबे में दोनों दब गए। दीवार गिरने की आवाज सुन आसपास के लोग दौड़े तो देखा कि दोनों मजदूर मलबे में दबे पड़े हैं। मलबे को हटाते तब तक सर्वेश की मौत हो गई थी।

मनबढ़ों ने ई रिक्शा चालक को चाकू मारकर किया घायल

घोसी, मऊ। घोसी नगर में रविवार को सरेराह मनबढ़ों ने एक ई रिक्शा चालक को चाकू मारकर घायल कर दिया। दिन दहाड़े चाकूबाजी की इस घटना से पूरे नगर में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने घायल ई रिक्शा चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी भिजवाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घोसी कोतवाली क्षेत्र के पट्टी मुहम्मद उर्फ काजीपुरा निवासी सैफुल्लाह पुत्र असदुल्लाह रविवार की शाम 4 बजे अपना ई रिक्शा लेकर वी मार्ट के पास से गुजर रहा था। उसी दौरान पीछे से बाइक सवार सरफराज पुत्र टुनटुन निवासी कस्बा खास घोसी अपने एक साथी के साथ आया और ई रिक्शा को रुकवाने के बाद चाकू से हमला कर दिया। सैफुल्लाह के शोर मचाने पर जब तक कुछ लोग आए तब तक दोनों युवक उसकी जेब से 600 रुपया लेकर फरार हो गए। पीड़ित सैफुल्लाह ने इस घटना के सम्बंध में घोसी कोतवाली में एक तहरीर दी है।

रोटरी क्लब प्राइड ने स्कूल में लगवाई सेनेटरी पैड मशीन

मऊ। रोटरी क्लब प्राइड मऊ ने रविवार को मोनीन अंसार गर्ल इंटर कॉलेज अतरारी मोहम्मदाबाद में एक सेनेटरी पैड मशीन रोटेरियन गिरधर अग्रवाल और रोटेरियन आशिष अग्रवाल ने दी। क्लब के प्रेसिडेंट सुशील अग्रवाल ने बताया कि इस मशीन को लगवाने का एक मात्र उद्देश्य छात्राएं इसका इस्तेमाल करे और देश के लिए स्वच्छता के प्रति अपना योगदान दे। स्कूल को बच्चों को रोटरी इंटरनेशनल के बारे विस्तार से बताया। स्कूल के प्रबंधक और टीचर का सहयोग मिला। क्लब के सेक्रेट्री जितेंद्र राखोलिया, गिरधर अग्रवाल, आजाद यादव, डॉक्टर मित्तल, बाबूलाल आदि लोग उपस्थित थे।

दुर्गा प्रतिमा से आभूषण चोरी

रानी की सराय (आजमगढ़)। कस्बे के रानी पोखरा स्थित मंदिर में स्थापित दुर्गा जी की प्रतिमा को पहनाया गया आभूषण शनिवार की रात चोरों ने गायब कर दिया। मंदिर के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरों ने सोने का मांगटीका, मंगलसूत्र और बिदी गायब कर दिया। पुलिस का मानना है नशेड़ियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस को किसी ने तहरीर नहीं दी है। मौके पर पहुंचे एसओ दिलीप सिंह ने जांच-पड़ताल के बाद प्रतिमा पर नए आभूषण लगवाए।

शहीद के प्रतिमा का हुआ अनावरण

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम भेड़ियाधर में शहीद धर्मेन्द्र यादव की प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप चंदौली के डीआईजी राकेश कुमार एवं शहीद की माता प्रभावती देवी ने रविवार को द्वारा किया। प्रतिमा अनावरण के समय पूरा माहौल भावपूर्ण हो गया। मुख्य अतिथि ने परिजनों को सांत्वना देते हुए उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ का हेड क्वार्टर चंदौली में स्थित है। जब भी कभी किसी प्रकार की आवश्यकता हो तो हमें सूचित करियेगा। पूरी सेना आपके साथ खड़ी मिलेगी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अपने शहीदों के परिजनों की पढ़ाई-लिखाई से लेकर शादी-विवाह तक हर चीज का ख्याल रखता है। आप लोग अपने को अकेला कभी मत समझिएगा। उसके बाद डीआईजी ने शहीद की माता प्रभावती देवी, पत्नी उमा देवी, पुत्र विकास यादव एवं पुत्रियां संध्या व सीमा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जितेन्द्र यादव, महेंद्र यादव, सुरेन्द्र यादव, वीरभान राम, ओमप्रकाश यादव, बागेश्वर यादव, सवरु यादव, संतोष यादव, सोनू यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक परिवार को मिली 75 लाख की क्षतिपूर्ति

मऊ। दीवानी न्यायालय परिसर में बीते शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के 17356 वादों का निस्तारण आपसी-सुलह समझौते के आधार पर कराया गया। जिला जज रामेश्वर ने 6 मामलो का निस्तारण किया जबकि वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र प्रसाद यादव ने 17 मामलों का निस्तारण करते हुए 1 करोड 48 लाख 43 हजार रूपया पीड़ित पक्ष को क्षतिपूर्ति दिलाया। जिसमें मधुबन थाना क्षेत्र के गुलौरी खुर्द गांव निवासी स्व.दुर्ग विजय यादव की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के वाद संख्या 81/20 चन्द्रशीला बनाम बजाज एलियान्ज जनरल इंश्योरेंस कम्पनी में आपसी सुलह समझौता के आधार पर 75 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति पीड़ित पक्ष को दिलाया गया।

पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्तो को गिरफ्तार करने में पुलिस को मिली सफलता। 13 मार्च 2022 को रात्रि पाण्डेय मोड़ पिकेट ड्यूटी पर लगे कर्मचारीगण का. अंकित कुमार व का. प्रकाश ड्यूटी के दौरान पाण्डेय मोड़ तिराहे के पास गांजा व शराब पी रहे चार पांच लोगों को रोकने टोकने पर, उन लोगों द्वारा उत्तेजित होकर कर्मचारीगण उपरोक्त पर बेल्चा आदि से जान लेवा हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। मौके पर द्वितीय मोबाइल के पहुंचने पर उक्त लोगों के द्वारा 40- 50 लोगों की और भीड़ जुटा कर वाहन को ईंट पत्थर से क्षतिग्रस्त किया गया, जिससे पुलिस पार्टी के पांच जवान घायल हुये, जिनका इलाज पीएचसी जमानिया व सदर अस्पताल गाजीपुर मे चल रहा है। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 84/2022 धारा 147/148/ 149/307/ 323/504/506/ 427/ 332/333/353 भादवि- व 7 सीएलए एक्ट पंजीकृत किया गया। तदोपरान्त मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित कुल 26 अभियुक्तों को आज 14 मार्च को समय करीब 03.30 बजे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों का नाम व पता क्रमशः विरेन्द्र मुसहर पुत्र बोतल मुसहर उम्र करीब 25 वर्ष, मोहन वर्मा पुत्र शिवजी वर्मा उम्र करीब 20 वर्ष, चन्दन वर्मा पुत्र शिवजी वर्मा उम्र करीब 28 वर्ष, सोहन वर्मा पुत्र शिवजी उम्र 19 वर्ष, संजय पुत्र नखडू उम्र करीब 19 वर्ष, मंगरु उर्फ अनिल पुत्र रवीन्द्र उम्र करीब 20 वर्ष, उपेन्द्र मुसहर पुत्र मुन्ना मुसहर उम्र 19 वर्ष, पारस पुत्र जयराम उम्र करीब 50 वर्ष, अजय पुत्र परषोत्तम मुसहर उम्र करीब 22 वर्ष, रमेश पुत्र जयराम मुसहर उम्र करीब 28 वर्ष, शिवजी वर्मा पुत्र कन्हैया वर्मा उम्र करीब 52 वर्ष, दासी हरिजन पुत्र गरीब उम्र करीब 48 वर्ष, बुल्लू पुत्र दिना बिन्द उम्र करीब 19 वर्ष, पिन्टू पुत्र रविन्द्र बिन्द उम्र करीब 35 वर्ष, सुरेश बनवासी पुत्र जयराम बनवासी उम्र करीब 27 वर्ष, छोटू बिन्द पुत्र बहादुर बिन्द उम्र करीब 29 वर्ष, लालमनि पुत्र अजय बनवासी उम्र करीब 19 वर्ष, ज्ञानेन्द्र पुत्र रामजीत उम्र करीब 24 वर्ष, हेमन्त कुमार पुत्र मुन्ना बिन्द उम्र करीब 19 वर्ष, राजेश पुत्र जयराम मुसहर उम्र करीब 22 वर्ष, मीरा पत्नी रमेश मुसहर उम्र करीब 45 वर्ष, लक्ष्मीना पत्नी शिवजी वर्मा उम्र करीब 48 वर्ष, सावित्री वर्मा पत्नी चन्दन वर्मा उम्र करीब 26 वर्ष, रंजू पत्नी पिन्टू बिन्द उम्र करीब 35 वर्ष, सीमा पत्नी रवीन्द्र बिन्द उम्र करीब 52 वर्ष, सोनिया पत्नी दीनानाथ बिन्द उम्र करीब 48 वर्ष समस्त निवासी गण ग्राम भैदपुर पाण्डेय मोड थाना जमानिया जनपद गाजीपुर के निवासी है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में SHO सम्पूर्णानन्द राय, उ0नि0 कृपेन्द्र प्रताप सिंह, उ0नि0 नन्दलाल कुशवाहा, उ0नि0 गजेन्द्र नाथ मिश्र, उ0नि0 अनिल कुमार सिंह, हे0का0 बालेन्द्र शर्मा, हे0का0सुरेश यादव, हे0का0 अनिल कुमार राय, रि0का0 प्रकाश, का0 क्रान्ति सिंह पटेल, का0 सुभाष यादव, का0 प्रवीण कुमार, का0 राकेश कुमार, का0 कुलदीप सरोज, का0 निरंकार शुक्ला, का0 संदीप वर्मा, का0 प्रदीप यादव, का0 नरसिंह यादव, कां0 अतुल मिश्रा, का0 विकास गुप्ता, रि0का0 महेश कुमार, रि0का0 शुभम कुमार, रि0कां0 रवीन्द्र कुमार, रि0म0आ0 ज्योतिषा सिंह, रि0म0आ0 प्रतीक्षा सिंह, रि0म0आ0 साक्षी, रि0म0आ0 प्रिया सिंह, रि0म0आ0 दिव्या पाण्डेय, रि0म0का0 बिन्दू शामिल रहे।

नस- नस में खून उबलने लगा मुसलमानों की बर्बरता देखकर - धीरज सिंह विश्व हिंदू परिषद के महानगर उपाध्यक्ष

प्रखर वाराणसी। काशी विश्व हिंदू परिषद काशी महानगर एवं बजरंग दल के नेतृत्व में 21 कार्यकताओं ने पीडीआर मॉल में कश्मीर फाइल फिल्म देखा फिल्म देखने के उपरांत बजरंग दल के कार्यकर्ता आपे से बाहर हो गए यह जत्था विश्व हिंदू परिषद के महानगर उपाध्यक्ष धीरज सिंह महानगर सहमंत्री संजय सिन्हा जी एवं बजरंग दल के संयोजक कृपालु जी के नेतृत्व में पीडीआर मॉल पहुंचा इंटरवल में ही बजरंग दल के कार्यकर्ता आक्रोशित होकर नारे लगाने लगे फिल्म समाप्त होने के बाद विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष धीरज सिंह ने कहां की नस नस में खून उबलने लगा मुसलमानों की बर्बरता देखकर रूह कांप गई है संकल्प लेते हैं कि अब भारत को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे और देशद्रोहियों को बाहर भगायेगे संजय सिन्हा सह मंत्री ने कहा कि हम हर पंचायत हर मोहल्ले में ससस्त्र 50 बजरंग दल के कार्यकर्ता खड़े कर रहे हैं जो हिंदू समाज की रक्षा करेंगे और पिक्चर देखने के बाद मन में बहुत तकलीफ हुई यह नकली भाईचारा को हम मिटा कर रहे हैं हम इन मोमिनो को भारत के बाद खदेड़ देंगे इनके संग कोई भाईचारा नहीं निभाया जाएगा हर हिंदू को योद्धा बनाएंगे और जिहाद के खिलाफ धर्म युद्ध छेड़ेगे इस फिल्म को देखने के लिए धीरज सिंह जी संजय सिन्हा जी कृपालु जी प्रतीक जी शिवम जी संजीव जी पंकज जी अशोक जी राहुल जी आशु जी अरविंद जी बहुत से करते हैं उपस्थित थे।

मुल्लों को मोमिनो को धर्म परिवर्तन कराने वालों को देश के बाहर खडेंगे अब हिंदुस्तान में रहना होगा तो जय श्री राम कहना होगा वह हिंदू हो या मुसलमान सबको जय श्री राम कहना होगा जो नहीं कहेगा उसे पाकिस्तान भेजें बजरंग दल के संयोजक कृपालु जी ने बोला की

होलिका दहन को लेकर पुलिस अलर्ट

आजमगढ़। जिले के 1974 जगहों पर होलिका दहन और 13 स्थलों से निकलने वाले होली जुलूस को लेकर पुलिस ने कमर कस ली है होलिका दहन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीट के सिपाहियों के साथ क्षेत्र के सम्मानित लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। होलिका दहन समिति में गांव के 10 सम्मानित लोगों को शामिल किया गया है। होली से पहले होलिका दहन समारोह समिति की बैठक थानावार शुरू हो गई है। शांतिपूर्ण दहन को लेकर पुलिस ने कसरत करना शुरू कर दिया है। इसके लिए गांव-गांव से बीट के सिपाहियों को जिम्मेदारी दी गई है। जिले में सबसे अधिक होलिका जीयनपुर में 151 स्थलों पर जलाई जाती हैं। वहीं 13 स्थलों पर होली रंग जुलूस निकाला जाता है। इसमें शहर कोतवाली के 64, सिधारी 86, रानी की सराय 22, कंधरापुर 88, मुबारकपुर 87, जहानागंज 84, निजामाबाद 47, गंभीरपुर 27, देवगांव 128, मेहनाजपुर 72, बरदह 25, मेंहनगर 115, तरवां 60, जीयनपुर 151 , महराजगंज 101, बिलरियागंज 34, रौनापार 66, अतरौलिया 40, अहरौला 91, कप्तानगंज 62, फूलपुर 133, पवई 132, सरायमीर 65 और दीदारगंज के 116 गांव में होलिका दहन होता है।

चेकिंग अभियान में 305 वाहनों का चालान

आजमगढ़। यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए शनिवार की देर शाम पुलिस विभाग की तरफ से चलाए गए वाहन चेकिग अभियान में 305 वाहनों का चालान किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देश पर चलाए अभियान में 67 स्थानों पर 1522 वाहनों को चेक किया गया। बिना नंबर प्लेट की गाड़ी चलाने, यातायात के नियमों का पालन न करने, बाइक पर तीन सवारी चलने तथा बिना हेलमेट के चलने वाले 305 वाहनों का चालान किया गया।

नाबालिक लड़के का अपहरण कर फिरौती लेने वाले 3 शातिर अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना गहमर क्षेत्र अन्तर्गत भदौरा बाजार से नाबालिक लडके का अपहरण करके फिरौती लेने वाले 3 शातिर अभियुक्ततगणो को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हाशिल की है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के कब्जे से 09 लाख रुपये नगद तथा घटना मे प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, एक अदद अवैध असलहा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतुस बरामद किया गया है।

आज दिन सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेसकांफ्रेन्स करके पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 4 मार्च 2022 को थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 50/22 धारा 363 भादवि से सम्बन्धित पीडित जिशान अब्दुल्ला पुत्र मो0 हसमतुल्लाह उर्फ गुड्डू निवासी खास लोदीपुर जमानिया कस्बा थाना जमानिया जनपद गाजीपुर जो अपने मौसा के घर खतना के कार्यक्रम मे अपनी माँ के साथ दिनांक 02.03.22 को भदौरा बाजार मे आया था। जहाँ पर खतना कार्यक्रम के पश्चात पीडित के रिस्तेदार रौनक उर्फ अब्दुल समीर पुत्र अब्दुल हन्नान नि0 जफरपुरा थाना मु0बाद गाजीपुर के द्वारा अपने अन्य साथियो से मिलकर जिशान अब्दुल उम्र करीब 8 वर्ष को अपहरण करके उसके परिजनो से 2 करोड रुपये की माँग की गयी और फिरोती का पैसा न देने पर बच्चे की हत्या कर देने की धमकी दी गयी थी। इसके पश्चात परिजनो के द्वारा 15 लाख रुपये फिरौती लेकर बच्चे को मुक्त किया। तत्पश्चात उक्त घटना के सफल अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन मे तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी जमानिया के देखरेख मे अभियुक्तगणो की पतारसी सुरागरसी हेतु स्वाट प्रभारी मय टीम तथा गहमर पुलिस टीम को लगाया गया। जिसके पश्चात आज 14 मार्च को समय करीब 12.45 बजे अभियुक्तगणो को मुखबीर की सूचना पर स्वाट टीम तथा गहमर पुलिस द्वारा मठिया मोड थाना गहमर गाजीपुर के पास से 03 नफर अभियुक्तगणो को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से अपहरण कर फिरौती मे लिये गये 9 लाख रुपये तथा घटना मे प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल व एक नाजायद तमंचा 315 बोर व एक अदद कारतुस 315 बोर व कुल 4 अदद मोबाइल फोन बरामद हुआ। उपरोक्त पकडे गये अभियुक्तगणो द्वारा उक्त घटना को स्वीकार किया तथा बताया कि इस घटना मे और भी दो व्यक्ति शामिल है। जिनकी पतारसी सुरागरसी हेतु टीम रवाना किया गया। उपरोक्त मुकदमे मे विवेचना से 364अ, 506 भादवि की बढोत्तरी की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम क्रमशः रौनक उर्फ समीर पुत्र अब्दुल हन्नान उर्फ भिण्डी नि0 जफरपुरा वार्ड नं0 13 मु0बाद, मो0 आशिफ अली उर्फ अंशू पुत्र मो0 रुस्तम राइनी नि0 आदर्श गाँव काशी राम थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर व सनी बिन्द पुत्र राजकुमार बिन्द नि0 महुआबाग थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर बताया गया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में उ.नि. राकेश कुमार सिंह सर्विलांस /स्वाट प्रभारी, प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सैन थाना गहमर, उ.नि. अशोक कुमार तिवारी चौकी प्रभारी सेवराई थाना गहमर, हे.का. अनिल कुमार पटेल, हे.का. संजय कुमार पटेल स्वाट टीम, हे.का. प्रेमशंकर सिंह स्वाट टीम, हे.का. संजय सिंह रजावत स्वाट टीम, हे.का. अमित सिंह स्वाट टीम, का. संजय प्रसाद स्वाट टीम, का. दिनेश कुमार स्वाट टीम, का.चा. प्रमोद कुमार स्वाट टीम, का. मनीष कुमार, का. विवेक त्रिपाठी, का. विनोद कुमार शामिल रहे।

अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर अहरौरा मीरजापुर। प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब मिजार्पुर द्वारा अलौकिक चमत्कारो की व्याख्या एवम अंध विश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कर्यक्रम का आयोजन जनता जनार्दन इण्टर कॉलेज भुड़कुड़ा चुनार मिजार्पुर में 14 मार्च को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के 745 बच्चों एवम अध्यापको ने प्रतिभगिता की। इस कार्यक्रम में प्रयोगिक प्रदर्शन के साथ विज्ञान सम्भाषड प्रतियोगिता जिसका शीर्षक अंध विस्वास समाज के लिए अभिशाप है,निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक अंध विश्वास को समाज से विज्ञान द्वारा ही दूर कर सकते है,पोस्टर प्रतियोगिता का विषय समाज मे अंध विश्वास के प्रकार तथा संचार पत्र पत्रिकाओं की कतरन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इन प्रतियोगिताओं में 154 छात्र एवम छात्राओं ने प्रतिभगिता की। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वैज्ञानिक विधि से जल से दिप प्रज्वलित कराकर विशेषज्ञ प्रमोद कुमार मिश्र ने कराया।विद्यालय की प्रधानाचार्या शांति देवी बैस, विशेषज्ञ प्रमोद मिश्र, डॉक्टर जे पी रॉय वैज्ञानिक ,डॉक्टर यस के गोयल,सेवानिवृत राष्ट्र पति पुरस्कार से सम्मनित प्रधानाचार्य भागवत प्रसाद,सत्य नारायण प्रसाद ने अपने अपने विचार रखे। जिला समन्यवक सुशील कुमार पांडेय ने विज्ञान ही एक ऐसा विषय है,जो समाज मे उत्पन्न अंध विश्वास एवम चमत्कार का पर्दा फाश कर देता है,आज समाज मे अंध विश्वास के कारण ही प्रतिदिन लोगो की मौते हो रही है,साथ ही ढोंगी बाबा लोग लोगो को चुना लगा रहे है।अंध विश्वास ने समाज मे बहुत गहरी पैठ बना ली है,जिला विज्ञान क्लब द्वारा इस तरह के कार्यक्रम गावो में आयोजित कर लोगो को सच तो कुछ और है के लिए आगाह किया जा रहा है इन कार्यक्रमो के माध्यम से नई संचेतना विकसित होगी।आज विज्ञान के युग मे भी पढ़े लिखे लोग भी बिल्ली का रास्ता काटना,नजर झड़वाने ,टोना टोटका ,बुखार आने पर नजर झाड़वाने जैसे अंध विस्वास के चक्कर मे अपनी जान गवा देते है।अंध एक सामाजिक

बीमारी है,इसे वैज्ञानिक संचेतना पैदा करके ही दूर किया जा सकता है।

विशेषज्ञ प्रमोद कुमार मिश्र नेविज्ञान केमौलिक सिद्धान्तों पर आधारित कुछ चमत्कार के प्रयोग कर में दिखाए तथा उनके पीछे के वैज्ञानिक तथ्य बताए। पहला प्रयोग आग खाना का दिखाया जिसमे अपने जीभ पर कपूर को जलकर मुह में काफी देर तक रखा,इसके पीछे उन्होंने वैज्ञानिक तथ्य बताए कि अग्नि की लौ सदैव ऊपर की ओर निकलती है।मनुष्य की त्वचा कपूर की आग का ताप एक स्थान पर 3 सेकंड तक सहन कर सकती है।कपूर के टुकड़ों को मुह में रख ने के पस्चात जब बंद करते है तो ऑक्सीजन न मिलने के तथा मुह में उपस्थित लार के कारण आग बुझ जाती है। दूसरा प्रयोग उन्होंने अग्नि स्नान कर दिखाया इसके वैज्ञानिक तथ्य ये है कि हमारे शरीर की त्वचा 3 सेकंड तक 1200 डिग्री सेल्सियस तक का ताप सहन करती है इससे अधिक समय तक यदि आग को त्वचा के सम्पर्क में रखा जाता है तोत्वचा उसके प्रभाव से जल सकती है। तीसरा प्रयोग त्वचा पर वजन लटकाने का दिखाया जिसके पीछे तथ्य है कि हमारे शरीर की त्वचा में तीन परत है।त्वचा की पहली परत से 500 ग्राम,दूसरी परत से 35 किग्रा और तीसरी परत से 75 किग्रा तक का भार उठा या जा सकता है। चौथा प्रयोग सिर पर चाय बनाना के पीछे वैज्ञानिक तथ्य बताया कितौलिया एवम आटा गिला होंने के कारण सर पर जलते हुए छल्ले की ऊष्मा हमारे सिर पर नही पहुचने देता है। पाचवा प्रयोग कर दिखाया कि खौलते तेल में हाथ डालने के चमत्कार को बताया कि नीबू का रस भारी होने के कारण कढ़ाई में बैठ जाता है तथा उसके ऊपर तेल तैरता रहता है।गर्म करने पर रस पहले खौलता है और भाप के कारण तेल में बल बुले उठने लगते हैजिससे ऐसा लगता है कितेल खौल रहा है। इसी प्रकार बन्द आखों सेसमचार पढना, शरीर पर वजन लेना,उंगलियों पर वजन उठाना, चाकू से लौटा उठाना,कैची से कांच काटना,आत्मिक शक्ति से केला छिलना जैसे प्रयोगों को कर-के उनके पीछे के विज्ञान के सिद्धांतों को समझाया। रासायनिक प्रक्रियाओं पर आधारित प्रयोगों को में मन्त्र शक्ति द्वारा अग्नि प्रज्वलित करना केपीछे वैज्ञानिक तथ्य को बताया कि पोटैशियम परमैगनेट एवम ग्लिसरॉल की रासायनिक क्रिया उष्मा उतपन्न करती है।जिससे आग प्रज्ववलित होती है। इसी प्रकार भूत की अंत्येष्टि,नारियल में भूत, मंत्र शक्ति से भभूति उतपन्न करना,देवी के हाथों का निशान,शरीर पर नाम अंकित करना,हल्दी से सिंदूर बनाना, बिना आग के चावल पकाना,जलाने पर कपड़े का न जलना,मिर्च खाना, पानी मे आग,कागज पर बिना स्याही कलम के लिखना जैसे चमत्कार के पीछे वैज्ञानिक तथ्य समझाए। प्रमोद मिश्र नेधूल से हल्दी बनानपनी गायब करना,कपड़े का रंग बदलना, मन मे सोची संख्या बताना,खाली थैली से चमत्कारी प्रसाद निकलना,मंत्र से केला काटना,हृदय गति रोकना,नब्ज रोकना,समाधि लेना,जमीन से मूर्ति प्रकट होना,मूर्ति का दूध पीना के पीछे सिद्धान्तों कोसमझाया।। डॉक्टर जे पी रॉय वैज्ञानिक ने कहा कि अंध विश्वास को केवल विज्ञान के माध्यम से दूर किया जा सकता है।कृषि में भी पहले के अंध विश्वासों को विज्ञान ने दूर किया,किसान अब बहुत जागरूक हो गया,एवम वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग कर अच्छी पैदावार पा रहा है एवम जैविक विधि से खेती करने का प्रयास कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सीएपीएफ में सहायक कमांडेंट पद पर श्याम प्रवेश तिवारी का हुआ चयन

प्रखर खेतासराय जौनपुर। शाहगंज तहसील क्षेत्र के शेखपुर अशरफपुर निवासी होनहार डॉक्टर श्याम प्रवेश तिवारी ने जनपद का नाम रोशन किया है,हो भी क्यों न गांव के माटी के लाल ने मेडिकल ऑफिसर सेलेक्शन बोर्ड सेंट्रल आर्म्ड में सहायक कमांडेंट पद पर चयन होने से गांव में हर्ष का माहौल है। मूल रूप से उक्त गांव निवासी डॉ श्याम प्रवेश तिवारी शुरू से ही मेधावी रहे। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट सीएच बीएस बीएचयू से कम्प्लीट किया। सीएपीएफ 2021 इंटरव्यू पीएसटी और मेडिकल फिटनेस में पहले प्रयास में सफल हुए है। उन्होंने एमबीबीएस केजीएमयू, लखनऊ से किया। वर्तमान में एंटीपीसी शक्ति नगर सोनभद्र में मेडिकल ऑफिसर के पोस्ट पर कार्यरत है। श्याम ने सफलता का श्रेय माँ निशा, वड़े पिता कृष्ण चन्द्र तिवारी को देते है। बताया कि सफलता का कोई शार्ट कट नही होता है,मेहनत और लगन ही मुकाम पर पहुचाती है। गांव पहुँचने पर पूर्व प्रधान दिलीप सिंह, संतोष सिंह, श्यामबाबू माली, राजेश पाल, शहनवाज अंसारी, संतोष विश्वकर्मा, सन्नी तिवारी समेत अन्य लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए डीएम ने मुझे हराया : अरशद खान

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। आखिरी चक्र की काउंटिंग में साजिश करके मुझे डीएम ने सीएम को खुश करने के लिए हराया गया, मैं हारा नही।प्रशसन का दुरुपयोग नही होता तो मत का आकड़ा पूरे एक लाख पार कर जाता।जनता को धन्यवाद करने के लिए लोगों तक दस्तक दे रहा हूँ। यह कथन है समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व सदर प्रत्याशी मो अरशद खान के जिसे धन्यवाद कार्यक्रम के तहत खेतासराय पहुँचने पर पत्रकारों के सामने कही। उन्होंने कहा कि मतगणना के सायंकाल ही साजिश शुरू हो गई। यहाँ की जनता ने हमें इतना माइंडेड दिया कि बीजेपी को धूल चटा दिया। इक्कीस राउंड तक बीजेपी प्रत्याशी जीत से बहुत दूर थे। अपनी हार से घबराए राज्यमंत्री ने प्रशासन से मिलकर गेम कर दिया। सूबे में बीजेपी की बढ़त देख डीएम ने ईवीएम में जानबूझकर साजिश रच कर गिरीश को जिता दिया गया। जिले के लोगो ने भी इस बेमानी को महसूस किया है। अब न्यायालय में जाकर इस झूठ को पदार्फाश करूँगा। नब्बे हजार के करीब मुझे मत मिला है। कॉउंटिंग में अगर खेल नही होता तो परिणाम कुछ और होता। वार्ता में हरेंद्र यादव, नासिर खान, अयाज अहमद, मो जाहिद,मन्नू,त्रिभुवन यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

केराकत सराफा एसोसिएशन की बैठक हुई संपन्न

शुभ सेठ को सराफा एसोसिएशन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत नगर के प्राचीन शिव मंदिर के परिसर में अशोक जायसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को सराफा एसोसिएशन की बैठक की गई।बैठक में केराकत सराफा एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों के मौजूदी में शुभ सेठ को सर्वसम्मति से एसोसियन का अध्यक्ष मनोनित किया गया इस अवसर पर अजय सेठ, अजीत गुप्ता, भानु सेठ,आनंद सेठ, पिंटू सेठ, श्याम कुमार सेठ, आनंद कंद गिरी, राहुल आर्य, महेश सेठ, सुंदर जयसवाल,मानिकचंद सेठ, अभय कमलापुरी, सुनील शेठ,मृतुन्जय गुप्ता, अजय जयसवाल,पप्पू जायशवाल, पंकज सेठ,राजकुमार सेठ,हिमांशु सेठ समेत सैकड़ों व्यवसाई उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन कृष्णा लाल सोनी व कुंदन ने किया।

पूर्व महंत पं. लोकपति तिवारी के बड़ा देव महंत आवास पर मनाई गई रंगभरी एकादशी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्व महंत पं. लोकपति तिवारी जी बताया कि पुर्वजों के समय से प्राचीन काल से चली आ रही काशी की लोक परंपराओं में से एक रंगभरी एकादशी महोत्सव मेरे परिवार द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में संपन्न करवाई जाती रही है, जिसमें आज की के दिन बाबा विश्वनाथ माता पार्वती को विदाई कराने अपने ससुराल जाते हैं और उनकी गौना पालकी यात्रा निकाली जाती है ।यह परंपरा पूर्व में हमारे पुराने महंत आवास से चली आ रही है जिसमें सुबह 11:00 बजे महंत आवास पर बाबा का भोग आरती कर काशी के सभी भक्तों को रजत प्रतिमा का दर्शन करवाया जाता है जो शाम को लगभग 05:00 बजे होता है उसके बाद बाबा विश्वनाथ की प्रतिमा को रजत सिंहासन के पालकी पर बिठाकर विश्वनाथ मंदिर तक ले जाकर गर्भगृह में विराजमान कर बाबा भक्तों के साथ होली खेलते हैं और इस दिन से ही काशी में होली की शुरूआत हो जाती है । पं लोकपति तिवारी जी ने बताया कि पिछले 2 वर्षों से यह परंपरा हमारे नए महंत आवास पर निभाई जाती है जिसको विवाद के चलते मंदिर प्रशासन द्वारा मेरे बड़े भाई डॉक्टर कुलपति तिवारी जी द्वारा बनवाई गई एक नकली प्रतिमा से परंपरा को संपन्न करवाया जा रहा है जो प्रशासनिक विवाद का मसला है कुलपति तिवारी जी का आवास टेढ़ी नीम पर है जो वर्तमान में विवाद होने के कारण मैंने बाबा के असली रजत चल प्रतिमा के दर्शन को अपने महंत आवास पर ही काशी के सभी भक्तों के लिए सुगम दर्शन की व्यवस्था कर दिया जिससे जनता की पुरानी आस्था को कोई ठेस ना पहुंचे।

तीसरी बार चुने गए राकेश श्रीवास्तव उपजा जिलाध्यक्ष

प्रखर चुनार मिजार्पुर। थाना अंतर्गत बालू घाट स्थित पांडेय बेचन शर्मा उग्र पुस्तकालय सभागार में उपजा जिलाअध्यक्ष हेतु चुनाव अधिकारी विजय कुमार सिंह की उपस्थिति में बैठक करते हुए उपजा जिलाध्यक्ष चयन हेतु गहन विचार विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से तीसरी बार राकेश कुमार श्रीवास्तव को निर्विरोध उपजा जिलाअध्यक्ष चुना गया, इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने कहा कि उपजा संगठन को और मजबूत बनाने का कार्य करेंगे तथा उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया व सभी सदस्यों को सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया ,बैठक में अभय त्रिपाठी पड़री के पिता जी के असामयिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया तथा बैठक में चुनाव अधिकारी विजय कुमार सिंह, अशोक विश्वकर्मा ,संत कुमार, राज कुमार सिंह, गोपीनाथ मिश्रा, संतोष कुमार, मनोज कुमार, राजकुमार सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, अनिल मिश्रा ,रतन पांडे ,राजन दुबे, शंकर शिवा ,उमेश केसरी इत्यादि प्रमुख लोगों के साथ संगठन के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

शुरू हुआ दो दिवसीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गर्भवती और बच्चों को नियमित टीकाकरण करने की जिम्मेदारी गांव स्तर पर एएनएम की होती है। ऐसे में उन्हें नियमित टीकाकरण को लेकर समय-समय पर प्रशिक्षित करने का कार्य स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किया जाता है। इसी क्रम में सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में ब्लॉक से आई हुई एएनएम को प्रशिक्षित करने का कार्य शुरू किया गया। जिसका शुभारंभ प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. वर्मा ने किया। वही प्रशिक्षण देने का कार्य डॉ. के.के. वर्मा, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. मनोज कुमार अधीक्षक बिरनो, डॉ. रमेश प्रसाद अधीक्षक सादात के द्वारा किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि जनपद में कुल 412 एवं कार्यरत है। सोमवार से दो दिवसीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। जिसमें 20 की संख्या में ब्लॉक से आई हुई एएनएम को नियमित टीकाकरण के अंतर्गत टीकाकरण करने के तरीके, उसके रखरखाव के साथ ही प्रचार प्रसार आदि को लेकर प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का कार्य सप्ताह में सोमवार मंगलवार व गुरुवार शुक्रवार को किया जाएगा। इस दौरान चलने वाले नियमित टीकाकरण कार्य कहीं भी प्रभावित नहीं होगा। साथ ही उन्होंने बताया कि जनपद के सभी एएनएम को प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से जून माह तक प्रशिक्षित करने का कार्य विभाग के द्वारा पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. एस.डी. वर्मा, अमित राय, राघवेंद्र सिंह के साथ ही ब्लॉक से आई हुई कार्यकर्ता शामिल रहे।

मां बाप की डांट से क्षुब्ध होकर हाईस्कूल के छात्र ने कुएं में कूदकर दी जान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के सरिया गांव के यादव बस्ती पुरवा में पिता की डांट से क्षुब्ध होकर 14 वर्षीय युवक ने गांव में ही घर के पास स्थित कुएं में कूदकर जान दी, मिली जानकारी के अनुसार 3 बहनों में सबसे छोटा भाई अंकित यादव यादव पुत्र प्यारे यादव उम्र 14 वर्ष दसवीं का छात्र था घर में बड़ी बहन जो शादी के बाद भी अपने घर पर ही रहती थी जिससे कुछ बात विवाद हो रहा था जिस पर मां बाप ने पुत्र को डांट दिया इससे आक्रोशित होकर युवक ने कुएं में छलांग लगा दी जब तक लोग व गांव के निवासी कुछ समझ पाते जल्दबाजी मे लोगों ने युवक को निकालने की कोशिश की तब तक युवक की सांसे टूट चुकी थी उसे निकाल कर ग्रामीणों समेत परिजनों ने गांव में ही स्थित एक प्राइवेट चिकित्सक के पास ले गया जहां उसने युवक को मृत घोषित कर दिया परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर ही युवक के शव को गुपचुप तरीके से अंतिम संस्कार करने के लिए घर से ले गए।

15 मार्च विश्व उपभोक्ता दिवस 2022 जागो ग्राहक जागो, जागरूक उपभोक्ता - सुरक्षित उपभोक्ता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्वांचल उपभोक्ता कल्याण समति के अध्यक्ष उदय कुमार श्रीवास्तव ने प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकार बंधुओं को बताया कि 15 मार्च विश्व उपभोक्ता दिवस पर जागो ग्राहक जागो जागरूक उपभोक्ता सुरक्षित उपभोक्ता कार्यक्रम के तहत "जागरुकता महारैली मैदागिन पेट्रोल पम्प से दिन में 1.00 बजे पदयात्रा के रूप में प्रारम्भ होगी, जो लहुराबीर, आजाद पार्क तक जाकर सम्पन्न होगी। तत्पश्चात सभा का आयोजन भी किया जायेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन व हरी झण्डी श्री आर. के. चौधरी, प्रमुख उद्योगपति व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, वाराणसी मुख्य संरक्षक महानगर उद्योग व्यापार समिति, दयाशंकर मिश्र (दयालू), राज्यमंत्री उ0म0 सरकार, उपाध्यक्ष विकास बोर्ड, श्री आशुतोष सिनहा एम. एल. सी. समाजवादी पार्टी, अम्बरीष सिंह 'भोला मंडल प्रभारी हिन्दू युवा वाहिनी, श्री कामेश्वर दीक्षित किशुन दीक्षित, पूर्व विधायक प्रत्याशी. श्री उमेश चन्द्र मिश्र, जिलापूर्ति अधिकारी, वाराणसी, संदीप चौधरी, सी.एम.ओ.वाराणसी, राजीव मिश्र, आर.एफ.सी.वाराणसी, श्री पीयूष कुमार सिंह, सेल्स मैनेजर मार्केटिंग, श्री कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष, एल.पी.जी. वाराणसी होंगे। कार्यक्रम को अध्यक्षता माननीय तिलकराज कपूर, राष्ट्रपति पदक प्राप्त, संरक्षक काशी व्यापार मंडल करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के में डा0 एम. के गुप्ता, बाल रोग विशेषज्ञ, लक्ष्मी मेमोरियल हास्पीटल, श्री श्री प्रेमशंकर मिश्रा, पूर्वांचल प्रभारी एवं अध्यक्ष, महानगर उद्योग व्यापार समिति, श्री अशोक जायसवाल, महामंत्री, महानगर उद्योग व्यापार समिति, श्री रतन चन्द्र वर्मा, एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष, इनकम टैक्स बार एसोसिएशन, वाराणसी, गंगासहाय पांडेय प्रदेशच०प० हास्य कवि चिंतित बनारसी, हास्य कवि सम्राट आदि शामिल होंगे। कार्यक्रम संयोजक उदय कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, जिला सतर्कता सलाहकार सदस्य व सह-संयोजक विकास श्रीवास्तव (मण्डल अध्यक्ष पूर्वांचल उपभोक्ता कल्याण समिति) व विशाल श्रीवास्तव (मंडल सचिव पूर्वांचल उपभोक्ता कल्याण समिति, वाराणसी) शामिल होंगे। श्रीमती शोभारानी, कोषाध्यक्ष, पूर्वांचल उपभोक्ता कल्याण समिति, डारा रश्मि चित्रांशी, प्राचार्या मुस्लिम गर्ल्स इंटर कालेज, उषा सिंह चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेत्री, गीता श्रीवास्तव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कायस्थ विचार मंच सुषमा तिवारी कवयित्री कीर्ति तिवारी कवयित्री आदि मुख्य रूप से शामिल होंगे।

सुबेदार यादव के समाज सेवा की हो रही तारीफ

प्रखर जखनियां गाजीपुर (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। अगर आदमी में कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो और हौसले की उड़ान तो बेशक कामयाबी की मंजिल दूर होती हुई भी करीब नजर आती है।ऐसा होने से जहां स्वप्न को पंख लगता है वहीं समाज में

धूल फांकती शहीद की प्रतिमा को छत देने का प्रयास

जागरूकता और सुखद संदेश भी जाता है। ऐसा नहीं है की यह सब एक ही बार में हो जाता है बल्कि यह कई बार के कठिन त्याग और कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरूप हासिल होता है। तकरीबन एक सौ पच्चीस दिन पहले एक पढ़ा लिखा युवक एनसीसी कैडेट्स अपने साथी के साथ वाराणसी के अदमापुर (महनाग)से चलकर परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद के गाजीपुर स्थित पैतृक गांव धामूपुर आया था।नाम था सुबेदार यादव। उम्र करीब उन्नतीस साल।

हमीदधाम पहुंच कर शहीद पार्क में लगी शहीद और शहीद बीबी की छत विहिन प्रतिमा को गौर से देखा तो हृदय द्रवित हो

गया। शीशा जार के अभाव में धूल फांकता शहीद का पैटनटैंक उपेक्षा का अहसास कराया। सुबेदार यादव ने उसी दम निश्चय किया कि अपने प्रयास से समाजसेवा के नाम पर देशभक्त हमीद की प्रतिमा पर छत का निर्माण कराएंगे।उसी संकल्प साधना के क्रम में पिछले दस दिनों से प्रशासनिक अनुमति प्राप्त कर पार्क अपने एक अदद सहयोगी साथी के साथ जमे हुए हैं। मौके पर छत के पहले मजबूत पीलर वास्ते बालू सीमेंट और कंक्रीट उपलब्ध थे।पार्क की साफ सफाई करने लगे हुए थे। सुबेदार यादव से जब प्रखर पूर्वांचल ने समाज सेवा के बावत जानकारी चाही तो बताया कि समाज सेवा का भाव तो मेरे अंदर बचपन से ही था। परन्तु रफ्तार एनसीसी कोर्स एवं इंजीनियरिंग करने के बाद बढ़ी। सीधा सौम्य विचार के धनी सुबेदार यादव की सामाजिक उपलब्धि किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बात चाहे वी०एच०यू० ट्रामासेंटर स्थित परिसर में टीनशेड अनुदान की हो अथवा खुद के गांव में स्थापित वृहद व्यायाम शाला की, इसके अलावा बेजुबानों के प्रति मानवीय आत्मीयता की बात करें अथवा आदिवासी समाज में शिक्षा की लव जगाने की सबके सब से मिसाल हैं। यहां तक की गरीबों के आर्थिक सहायता को खुद की बाईक गिरवी रखना,और देश की आधी आबादी (नारी)समाज के प्रशिक्षण वास्ते अपना घर निशुल्क दान में देना हैरतअंगेज कारनामे है। गौरतलब हो कि सुबेदार यादव के जेहन में समाज सेवा सर्वोपरी है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जंगीपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-एक गजफ्फरनगर बंगाली बाबा पोखरे के सामने फोरलेन पर सोमवार की सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार राज मिस्त्री की मौत हो गई। दुर्घटना की बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर गांव निवासी रामकेवल सिंह यादव (55) राज मिस्त्री था। वह आज सुबह साइकिल से जंगीपुर थाना क्षेत्र के किसी गाव में किसी कार्यवश आया था। वापस लौटते समय वार्ड नंबर एक गजफ्फरनगर बंगाली बाबा पोखरा के सामने जैसे ही साइकिल फोरलेन पर चढ़ा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे रामकेवल की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के भतीजा वीरेंद्र की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी

प्रखर अहरौरा मीरजापुर। थाना क्षेत्र के सेखवा मझवा गांव निवासी युवक विनोद (35) पुत्र बहादुर उर्फ सियाराम ने रविवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।परिजनो ने युवक की मौत के बाद शव पुलिस को सूचना दिए बगैर ही अंतिम संस्कार कर दिया। गांव में युवक की मौत को लेकर तरह तरह की चर्चा हो रही है। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि उन्हें युवक की मौत की जानकारी नहीं है मामले का पता लगाया जा रहा है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं